INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-40 | मथुरा, सोमवार, 6 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

युद्ध की लपटें रसोई तक पहुंचीं: गैस, खाद्य तेल तथा मेवा आदि सामान महंगा

महंगाई से गृहणियों की बचत गड़बड़ाई

- एलपीजी सबसे ज्यादा 7 प्रतिशत महंगी, 30 वस्तुओं के दाम बढ़े
- रसोई खर्च 1000 रुपये तक बढ़ा, गृहणियों की बचत हुई प्रभावित

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ईरान और अमेरिका–इजरायल जंग की आंच चूल्हे से होकर रसोई तक पहुंच गई है। युद्ध के करीब 38 दिन में ही रसोई का औसत खर्च 4.5 फीसदी यानी मासिक 1000 रुपए तक बढ़ गया है। इससे महिलाओं की बचत गड़बड़ा गई है।

युद्ध का सबसे पहला असर रसोई के गैस सिलेंडर पर पड़ा। रसोई के गैस सिलेंडर से बड़ा संकट पैदा हो गया। गृहणियां घबराने लगीं। सोचने लगीं कि अब रसोई में खाना और सब्जी कैसे बनेगी।

वैकल्पिक व्यवस्था बतौर डीजल से चलने वाले चूल्हे और इंडक्शन ने बाजार पकड़ लिया। युद्ध का असर बाजार में कई और वस्तुओं पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। दीपावली से पहले केंद्र सरकार ने कई वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटाकर लोगों को महंगाई से निजात दिलाने की कोशिश की, लेकिन युद्ध ने केंद्र सरकार की मंशा पर पानी फेर दिया।

महंगाई का बोझ भोजन पर बढ़ा

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की पोषण सेवन की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023–24 में ग्रामीण परिवार कुल घरेलू व्यय का 47.6% भोजन पर खर्च कर रहे थे। जबकि, शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 39% था। खाद्य महंगाई बढ़ने और आय कम होने से यपी में भोजन पर खर्च 2.5% बढ़ा था। ग्रामीण में खर्च बढ़ने का कारण अनाज, दाल, सब्जी और दूध जैसी वस्तुओं की कीमत वृद्धि है।

बिजली का सामान भी हुआ महंगा

यूनिक समय, मथुरा। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध को लेकर अब तो बिजली का समान काफी मंहगा हो गया है। युद्ध से पहले जो 15 एमएम कॉपर तार का बंडल 1900 रुपये के करीब मिलता था अब वह ही तार 2600 से लेकर 2700 रुपये तक थोक में मिल रहा है। वहीं पीवीसी पाइप पर करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। जो कि युद्ध से पहले 1500 रुपये में बंडल मिलता था अब वह पाइप 2600 रुपये के करीब मिल रहा है। ऐसे ही सभी बिजली के सामानों पर 30 से लेकर 35 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है।

25 फरवरी को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 856.50 रुपए थी लेकिन कंपनियों ने 60 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा दिए। यानि उसकी कीमत 7.01% बढ़कर 916.50 रुपए हो गई है। मूंगफली, सूरजमुखी व सोया तेल और पामऑयल पांच से 10 रुपए किलोग्राम तक महंगा हो गया। दाल की कीमत भी दो से तीन रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ी है। चावल, गेहूं, आटा, प्याज, टमाटर, मैदा, सूजी, बेसन, अंडे, काली मिर्च और लहसुन की कीमत में आंशिक कमी आई है।

महंगाई ट्रेंड: एलपीजी ने सबको पछाड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले विभाग (मूल्य निगरानी प्रभाग) के आंकड़ों के मुताबिक, 25 फरवरी से चार अप्रैल के बीच रसोई के लिए जरूरी 41 में से 30 वस्तुओं के दाम बढ़ने से मध्यम वर्ग की कमाई का लगभग आधा हिस्सा रसोई पर खर्च होने का अनुमान है। एलपीजी, खाद्य तेल, घी, दाल, दूध, चीनी, गुड़, आलू समेत अन्य वस्तुओं दाम बढ़ने से परिवारों का बजट बिगड़ गया। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और खाद्य तेल की कीमत स्थिर नहीं हुई तो महंगाई और बढ़ने की आशंका है। ऐसे में आम आदमी को अन्य खर्चों में कटौती या भोजन की गुणवत्ता से समझौता करना पड़ सकता है। खाद्य तेल और एलपीजी की कीमत वृद्धि का 'मल्टीप्लायर इफैक्ट' हो रहा है। ईंधन महंगा होता है तो बाहर का खाना, टिफिन सेवा और ढाबों पर भोजन की कीमत बढ़ जाती है। खाद्य तेल के दाम करीब 180 रुपए किलो के करीब पहुंच रहे हैं। इससे बजट संभालना मुश्किल हो रहा है।

बाजार में टायर, ट्यूब और मोबिल ऑयल की कीमतों में भी बढ़ोतरी

यूनिक समय, मथुरा। वैश्विक पटल पर अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से बाजार में टायर, ट्यूब और मोबिल ऑयल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे माल ढुलाई और निजी सफर दोनों महंगे होने के आसार हैं। डीलरों के पास कंपनियों की ओर से कीमतों में वृद्धि के अलर्ट पहले ही पहुंच चुके हैं। महंगाई का करंट बिजली के अन्य उपकरणों तक भी पहुंच गया है। बीते पखवाड़े के दौरान एलईडी बल्ब और ट्यूब लाइट की कीमतों में सात फीसद की बढ़ोतरी हुई है। स्विच और सॉकेट के दाम भी 12 फीसद तक बढ़ गए हैं। गर्मी का सीजन शुरू होते ही कूलरों की कीमतों ने भी पसीने छुड़ा दिए हैं। कारोबारी ने बताया कि घरों में इस्तेमाल होने वाले कूलर 500 रुपये तक महंगे हो गए हैं, जबकि टेंट हाउस में इस्तेमाल होने वाले कॉमर्शियल कूलर की कीमत में 2500 रुपये तक का भारी उछाल आया है। वाहनों के टायर और ट्यूब के कारोबार में एक अप्रैल से बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। टायर की कीमतों में पांच फीसदी और ट्यूब के दाम में छह से आठ फीसद तक की वृद्धि हुई है। सिर्फ टायर ही नहीं, बल्कि मोबिल ऑयल के दाम में भी प्रति बोतल 20 से 30 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे वाहन मालिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है। कहा कि सीट कवर व अन्य ऑटो प्रोडक्ट के दाम में भी दस फीसद तक का इजाफा हुआ है।

राहत एलपीजी संकट में मजदूरों और अस्थायी कामगार को राहत

अब बिना कनेक्शन के मिलेगा गैस सिलेंडर

यूनिक समय, मथुरा। देश में बढ़ते एलपीजी संकट के बीच आम लोगों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। अब बिना पारंपरिक गैस कनेक्शन के भी लोग आसानी से सिलेंडर खरीद सकेंगे। सरकार की इस नई पहल के तहत मिनी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिन्हें लेने के लिए केवल आधार कार्ड या कोई भी वैध पहचान पत्र दिखाना पर्याप्त होगा।

यह सुविधा खासतौर पर उन लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जो किराए के मकानों में रहते हैं–जैसे स्टूडेंट्स, प्रवासी मजदूर और अस्थायी कामगार। अब तक इन लोगों को गैस कनेक्शन न होने के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार उन्हें ब्लैक में महंगे दामों पर सिलेंडर खरीदने पड़ते थे, जो सामान्य कीमत से कई गुना ज्यादा होते थे।

नई व्यवस्था के तहत मिनी सिलेंडर की कीमत करीब 1581 रुपये रखी गई है, जबकि पांच किलो गैस रिफिल लगभग 600 रुपये में उपलब्ध होगी। एक सिलेंडर सामान्य उपयोग में करीब 15 से 20 दिनों तक चल सकता है, जिससे छोटे परिवारों और अकेले रहने वालों की जरूरतें आसानी से पूरी हो सकती हैं। एलपीजी की किल्लत के चलते हाल के दिनों में सिलेंडरों की कीमतें आसमान छू रही थीं। कई जगहों पर 6,000 से 7,000 रुपये तक में सिलेंडर बिकने की खबरें सामने आईं, जिससे आम आदमी के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गया था। ऐसे में यह नई पहल लोगों को न सिर्फ सस्ती गैस उपलब्ध कराएगी, बल्कि कालाबाजारी पर भी लगाम लगाने में मदद करेगी।

किराएदारों और स्टूडेंट्स के लिए आसान गैस विकल्प

मिनी सिलेंडर से खत्म होगी ब्लैक मार्केट की समस्या

आधार दिखाओ और तुरंत पाओ गैस सिलेंडर

हालांकि, सरकार का कहना है कि देश में गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी स्तर पर लोगों को अभी भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यह योजना राहत के साथ–साथ व्यवस्था को सुचारू बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

यूपी के मुख्यमंत्री एवं आरएसएस प्रमुख कल आएंगे वृंदावन

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल वृंदावन के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री यहां श्रीमद् जगद्गुरू द्वाराचार्य श्री मलूकदास जी महाराज के 452वें पावन जयंती महोत्सव में शामिल होने के आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में आर एसएस मुखिया मोहन भागवत भी शामिल होंगे।

शासन की ओर से जारी प्रोटोकॉल के अनुसार मुख्यमंत्री का कार्यक्रम मिनट–दर मिनट तय कर दिया गया है। जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार ने जिले के अन्य अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं के निर्देश दिए हैं।

तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर 1:25 बजे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट से राजकीय वायुयान द्वारा प्रस्थान करेंगे। दोपहर 2:10 बजे

आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से वे राजकीय हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 2:35 बजे पवन हंस हेलीपैड, वृंदावन पहुंचेंगे। हेलीपैड से कार द्वारा वे दोपहर 2:50 बजे मलूक पीठ आश्रम पहुंचेंगे।

मुख्यमंत्री दोपहर 2:50 बजे से 3:50 बजे तक मलूक पीठ आश्रम में आयोजित 452वें जयंती महोत्सव कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। यहाँ एक घंटा व्यतीत करने के बाद वे शाम 4:00 बजे वापस पवन हंस हेलीपैड पहुंचेंगे और वहां से आगरा के लिए रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

शादियों के सीजन में गैस संकट गहराया

अब डीजल भट्ठी बनेगी मजबूरी का सहारा

यूनिक समय, मथुरा। शादी का सीजन शुरू होते ही जहां घरों में रौनक और खुशियों की उम्मीद रहती है, वहीं इस बार गैस सिलेंडर की कमी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालात ऐसे हैं कि शादी वाले परिवारों को समय से गैस नहीं मिल पा रही है, जिससे दावत की तैयारियां में काफी परेशानी हो रही हैं। अब कई लोग मजबूरी में डीजल भट्ठी का सहारा लेने की योजना बना रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे तनाव के कारण गैस सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिसका असर स्थानीय बाजारों में साफ नजर आ रहा है। पहले जहां हलवाई शादी से कई दिन पहले गैस भट्टी पर काम शुरू कर देते थे, वहीं अब सिलेंडर की कमी के चलते काम रुक-रुक कर हो रहा है।

जिले के कई इलाकों में लोग गैस एजेंसियों और हॉकरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन सिलेंडर आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसे में परिवारों के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि मेहमानों के लिए गरम-गरम भोजन कैसे तैयार किया जाएगा। बढ़ते हुए तनाव से कुछ परिवारों ने डीजल भट्टी का विकल्प तलाशना शुरू कर दिया है। हलवाई भी अब इसी तरह कर रहे है,ताकि कार्यक्रम में किसी तरह की बाधा न आए। हालांकि, डीजल भट्टी पर काम करना आसान नहीं है। इससे खर्च बढ़ने के साथ-साथ धुआं और प्रदूषण की समस्या भी सामने आ सकती है। इसके अलावा कई लोग कोयले की भट्ठी पर भी विचार कर रहे हैं, लेकिन हर जगह यह व्यवस्था संभव नहीं हो पाती। दूसरी ओर, जिला पूर्ति अधिकारी संजय सिंह का कहना है कि फिलहाल शासन की ओर से शादी वाले परिवारों को प्राथमिकता पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। यदि भविष्य में ऐसा कोई आदेश आता है तो तत्काल अमल किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि गैस नहीं मिलने की स्थिति में लोग वैकल्पिक साधनों का उपयोग कर सकते हैं। इस बार शादी सीजन में गैस संकट ने खुशियों के बीच चिंता का माहौल बना दिया है। अब लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही स्थिति सामान्य हो, ताकि उनके खास अवसर बिना किसी परेशानी के पूरे हो सकें।

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,49,510

22 कैरेट 1,37,549

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,32,960 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

अनुबंध पर किसान पैदा करेंगे हरा चारा, गोवंश की सुधरेगी सेहत

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने बताया कि अब सरकार गाय के उत्थान को किसानों से अनुबंध के आधार पर हरे चारे की खेती करावेगी। नेपियर घास को प्राथमिकता दी जाएगी। बेसहारा गोवंश की शिकायत मिलने पर संबंधित व्यक्ति पर कार्रवाई होगी। स्थानीय लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि अब सरकार अच्छे समाजसेवी, गोरक्षक और युवाओं को गौ सेवा से जोड़ने का काम करने जा रही है। ऐसे लोगों को गौशाला संचालक को सौंप जाएंगी, जिससे गाय का भला होगा और बेरोजगारी पर अंकुश लगेगा।

उन्होंने बताया कि सरकार कान्हा गौशाला, वृहद गो संरक्षण के आसपास वाले किसानों से हरे चारे का अनुबंध करेगी। तीन रुपये किलो तक इन किसानों से हरा चारा खरीदा जाएगा, इसमें सरकार नेपियर घास का बीज उपलब्ध कराएगी और बीज के लिए धनराशि भी अनुबंध वाले किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी।

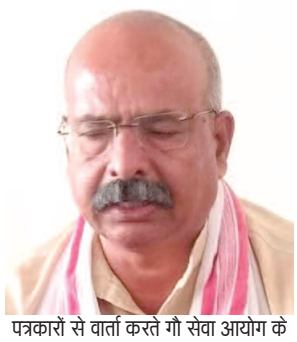

पत्रकारों से वार्ता करते गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय।

एक सवाल के जवाब में गौ सेवा आयोग के सदस्य ने कहा कि गौ रक्षक किसी भी सूचना पर कार्रवाई करने से पहले पुलिस को बता कर चले, जिससे कोई अप्रिय हादसा नहीं हो सके। फरसा वाले बाबा की मृत्यु निंदनीय है, एसआईटी जांच की जा रही है जो तथ्य सामने आएंगे उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी ।

उन्होंने कहा कि युवाओं के हाथ में गौशाला और गो सेवा का काम आने से किसान और खेती को बड़ा लाभ होगा। अनुबंध पर खेती होने से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा और इससे सुरक्षित बेसरा पशुओं को काफी लाभ होगा।

गौ सेवा आयोग के सदस्य ने बेसहारा गोवंश के उत्थान को बताए उपाय

हरे चारे में नेपियर घास को मिलेगी प्राथमिकता

गाय और खेती को होगा लाभ

गेहूं क्रय केंद्रों पर बारदाने की किल्लत, ठप पड़ी खरीद

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय गेहूं क्रय केंद्रों पर बारदाने (बोरों) की भारी कमी ने खरीद व्यवस्था की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसान अपनी उपज लेकर केंद्रों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन बोरे उपलब्ध न होने के कारण खरीद प्रक्रिया बाधित हो रही है। कई किसानों को बिना खरीद के ही वापस लौटना पड़ रहा है, जबकि कुछ को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इससे किसानों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। खबर लिखे जाने तक जनपद में 10,111 किसानों का पंजीकरण हो चुका है, लेकिन जमीनी स्तर पर संसाधनों की स्थिति कमजोर नजर आ रही है। कई केंद्रों पर गेहूं खुले में पड़ा है, जबकि कुछ केंद्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ है और खरीद कार्य लगभग ठप है। यह स्थिति प्रशासनिक दावों और वास्तविक व्यवस्था के बीच स्पष्ट अंतर को उजागर करती है। लच्छो सिंह बोले, खुले में पड़ी है फसल, कब बारिश हो जाए, कोई सुनवाई नहीं। रास बिहारी का आरोप है कि व्यवस्था सिर्फ कागजों में है जमीन पर कुछ नहीं है। वहीं खिल्लो सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर खरीद न हुई तो भारी नुकसान होगा। जिला कृषि विपणन अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी के अनुसार, शासन को बारदाने की मांग भेज दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बारदाना कब तक उपलब्ध होगा, यह फिलहाल कहना संभव नहीं है।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल के होनहार लक्ष्य शर्मा ने रचा इतिहास

स्केटिंग में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के होनहार छात्र लक्ष्य शर्मा ने स्केटिंग में अद्भुत कारनामा करते हुए अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया है। 19 फरवरी को छह साल 10 महीने की उम्र में लक्ष्य ने वृंदावन की व्यस्त सड़क पर 13.03 किलोमीटर की दूरी 39 मिनट 34 सेकेंड में पूरी कर यह इतिहास रचा है। विद्यालय के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने होनहार लक्ष्य को शाबाशी देते हुए उसका हौसला बढ़ाया तथा कहा कि यह समूचे ब्रज मण्डल के लिए गौरव की बात है।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल का चमकता सितारा लक्ष्य स्केटिंग में अब तक दर्जनों पदक जीत चुका है। इससे पहले गाजियाबाद में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर नॉर्थ जोन-1 रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप में लक्ष्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया था।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने वाले इस होनहार लक्ष्य के कारनामे और उपलब्धि से उसके माता-पिता तथा कोच बहुत खुश हैं। खुश होना भी चाहिए क्योंकि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। लक्ष्य की इस शानदार उपलब्धि पर इंडिया बुक द्वारा उसे स्वर्ण पदक, इंडिया बुक, बैज और सर्टिफिकेट आदि देकर सम्मानित किया गया।

होनहार लक्ष्य को शाबासी देते हुए राजीव इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल और प्रधानाचार्य प्रिया मदान ने लक्ष्य की इस असाधारण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक प्रदर्शन ब्रज क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। चेयरमैन श्री अग्रवाल ने कहा कि लक्ष्य का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में आधिकारिक रूप से दर्ज होना अविस्मरणीय बात है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि भविष्य में भी लक्ष्य राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर अपने जनपद, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेगा। उन्होंने कहा कि इससे अन्य बच्चों को भी खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि अब खेलों के मायने बदल गए हैं। छात्र-छात्राएं पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को कुछ समय देकर तन और मन से स्वस्थ रह सकते हैं।

वृंदावन की व्यस्त सड़क पर दर्ज की ऐतिहासिक उपलब्धि

प्रधानाध्यापिका प्रिया मदान ने कहा कि राजीव इंटरनेशनल स्कूल में हर क्षेत्र की नायाब प्रतिभाएं हैं। लक्ष्य ने रोलर स्केटिंग जैसे खेल में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर यह साबित किया है कि उसमें गजब की क्षमता है। प्रधानाध्यापिका प्रिया मदान ने कहा कि प्रत्येक छात्र-छात्रा की प्रतिभा को पहचान कर उसे प्रगति पथ पर अग्रसर करना ही राजीव इंटरनेशनल स्कूल का उद्देश्य है। भविष्य में भी यहां के छात्र-छात्राएं इसी तरह सफलताएं हासिल कर अपने जिले और प्रदेश को गौरवान्वित करेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है।

किसानों की मेहनत पर पानी फिरा, सपाइयों ने सौंपा ज्ञापन

जिला मुख्यालय पर एसडीएम को ज्ञापन देते सपाई।

यूनिक समय, मथुरा। जिला मुख्यालय कार्यालय पर समाजवादियों ने जिलाधिकारी के नाम एडीएम प्रशासन को चार सूत्री ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि तेज हवाओं के साथ हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं की फसलों का भारी नुकसान हुआ है, जिससे जनपद भर के किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है।

सपा के वरिष्ठ नेता अनिल अग्रवाल ने कहा कि अन्नदाताओं का बारिश ओलावृष्टि से हुए भारी नुकसान की तत्काल आकलन कर पीड़ित किसानों को सम्मानजनक और पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव, महिला सभा की प्रदेश सचिव शबनम कुरैशी, विधानसभा क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद लोधी, बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी आदि ने विचार व्यक्त किए।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

छाता में दिल्ली गेट स्थित बुर्जी में लगी आग

आग की तेज लपटों को देख लोगों में मचा हड़कंप

बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से निकल आए

फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई

यूनिक समय, मथुरा। छाता कस्बा में बनी पुरातत्व महत्व की बुर्जियों में से दिल्ली गेट स्थित बुर्जी में आज प्रातः अचानक आग लग गई। आग की उठती तेज लपटों से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने आग पर काबू किया।

छाता कस्बे में बनी पुरातत्व महत्व की प्राचीन सराय की बुर्जियों में से दिल्ली गेट पर बनी बुर्जी में आज प्रातः करीब छह बजे आग की तेज लपटें उठने लगी। बुर्जी से उठती आग की तेज लपटों को देख इस इलाके में रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। बुर्जी में लगी आग को देख कर वहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हो गए। आग लगने से लोग भयभीत थे। पुलिस को भी जब बुर्जी में आग लगने का पता लगा तो मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड को भी इस बारे में सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की दमकल कुछ ही देर में वहां पहुंच गई। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने आग को काबू किया। इसके बाद ही लोगों ने राहत की सांस ली।

छाता की प्राचीन सराय की दिल्ली गेट की बुर्जी में लगी आग।

आग से प्राचीन धरोहर को भारी नुकसान की आशंका

यूनिक समय, मथुरा। छाता की इस प्राचीन बुर्जी को आग से भारी नुकसान होने की आशंका जाहिर की जा रही है। बुर्जी में आग किस कारण लगी इस बात की जानकारी नहीं हो सकी है। दिल्ली गेट स्थित पुरातत्व महत्व की प्राचीन बुर्जी में अचानक आग लगने के कारणों का पता नहीं लग सका है। इस बात की भी चर्चा है कि आग वहां पड़े कबाड़े में लगी और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सवाल उठता है कि आग को किसने लगाया। आग लगने के कारणों की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

सिपाही ने ट्रेन से गिरते यात्री की बचाई जान

मथुरा जंक्शन पर ट्रेन से गिरते युवक को बचाता सिपाही और लोग।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर ड्यूटी करने के दौरान जीटी एक्सप्रेस से उतरते एक यात्री गिरकर ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस जाता इससे पहले सिपाही ने उसे ट्रेन से कटने से बचा लिया। सिपाही की बहादुरी की सभी ने प्रशंसा की है।

मथुरा जंक्शन पर जीआरपी में तैनात सिपाही विक्रम सिंह बीती रात स्टेशन पर ड्यूटी कर रहा था। बताया गया कि इस दौरान मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म पर जीटी एक्सप्रेस आई। जीटी एक्सप्रेस से उतरने के दौरान एक युवक का बैलेंस बिगड़ गया और उसका पैर प्लेट फर्मा पर न पड़के ट्रेन और प्लेट फार्म के बीच जाने लगा। युवक को गिरता देख प्लेटफार्म पर ड्यूटी कर रहे विक्रम सिंह ने जान की परवाह किए बगैर युवक को प्लेटफार्म की तरफ तेजी से धक्का दिया जिससे वह बच गया। सिपाही के साथ अन्य लोगों ने भी उसे बचाने में सहयोग दिया। युवक इतना भयभीत था कि वह वहां से बिना नाम बताए चला गया। सीसी टीवी केमरे में यह दृश्य कैद हो गया। इस दृश्य को जिसने भी देखा उसने सिपाही की बहादुरी की तारीफ की। बताया गया कि प्रभारी निरीक्षक जीआरपी ने सिपाही की इस बहादुरी के लिए उसे पुरस्कृत कराने के लिए उच्चाधिकारियों को लिखने की बात कही है।

प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच गिरने वाले युवक को खींचा

सभी ने सिपाही की बहादुरी को किया सलाम

किशोरी का शव मिलने पर हड़कंप

हत्या कर शव को नहर में फैंका गया

फॉरंसिक टीम ने भी घटनास्थल का किया निरीक्षण

शव की शिनाख्त में जुटी पुलिस

यूनिक समय मथुरा। थाना मगोर्रा की आगरा केनाल में लालपुर के समीप एक

कि शोरी का शव पड़ा मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। काफी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल पर एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। इलाके में इस बात को लेकर चर्चा है कि किशोरी की हत्या करने के बाद शव को रात में फैंका गया है।

आगरा केनाल में लालपुर के समीप एक अज्ञात 17–18 वर्षीय किशोरी का शव पड़ा देख वहां से गुजरते लोगों में दहशत फैल गई। किशोरी का शव पड़ा होने की जानकारी कुछ ही देर में आस–पास के इलाकों में जंगल की आग की तरह फैल गई। काफी संख्या में ग्रामीण शव को देखने के लिए वहां पहुंच गए। काफी प्रयास के बाद भी किशोरी के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी।

मौके पर पहुंची मगोर्रा थाना प्रभारी हरीश चौधरी और सीओ गोवर्धन अनिल कुमार ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद फॉरंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने युवती के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती के गले पर कुछ निशान होने पर इस बात की आशंका जाहिर की जा रही है कि उसका गला घौंटकर हत्या करने के बाद रात में ही शव को यहां फैंका गया है। सीओ गोवर्धन अनिल कुमार का कहना है कि मृतक किशोरी की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही आस–पास के इलाकों में लगे सीसी टीवी केमरों की भी जांच की जा रही है जिससे पता लग सके युवती का शव यहां कैसे आया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद भी मौत का सही कारणों के बारे में पता लग सकेगा। किशोरी ने सफेद रंग का टीशर्ट और गुलाबी रंग का टाउजर पहन रखा है। दाहिने हाथ में काला धागा बंधा हुआ है।

मुआवजे की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। तहसील छाता क्षेत्र में पिछले दिनों हुई बेमौसम बारिश से बर्बाद हुई फसल के मुआवजा की मांग को लेकर किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया।

इस संबंध में क्षेत्र के किसानों ने उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित एक प्रार्थना पत्र उपजिलाधिकारी छाता के माध्यम से भेजा है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द सर्वे कराकर मुआवजा नहीं दिया गया तो किसानों की आर्थिक स्थिति और खराब हो जाएगी। ज्ञापन देने वालों में किसान, चंद्रपाल सिंह, महेश सिंह, राजवीर सिंह, अमरी गोजा, अरुण प्रताप, प्रताप सिंह तथा कुमर चन्द आदि शामिल थे।

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल संपन्न

आठ–नौ अप्रैल को प्रयागराज में आयोजित होगी 24वीं यूपी स्टेट जूनियर फेडरेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में 24वीं यूपी स्टेट जूनियर फेडरेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप–2026 के लिए चयन ट्रायल का आयोजन पिछले दिनों केआर डिग्री कॉलेज के खेल मैदान पर किया गया। ट्रायल का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव जय सिंह ने बताया कि चयनित खिलाड़ी आठ एवं नौ अप्रैल को प्रयागराज में आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। ट्रायल में विभिन्न स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया। इसमें आकाश को 3000 मीटर एवं 5000 मीटर दौड़, सुनील कुमार को 3000 मीटर एवं 5000 मीटर दौड़, आदित्य तोमर को 800 मीटर दौड़, गगनजीत को 400 मीटर दौड़, मनवीर सिंह को गोला फेंक, कपिल चौधरी को डिस्कस थ्रो, यश चौधरी को 100 मीटर दौड़, अमित को 100 व 200 मीटर दौड़, अमित कुमार को 400 मीटर बाधा दौड़, पायल को 100 मीटर दौड़, शिवानी को 1500 मीटर दौड़ तथा रानी कुमारी को 3000 एवं 5000 मीटर दौड़ के लिए चयनित किया गया। ट्रायल जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तकनीकी अधिकारी दलवीर सिंह कौन्तेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार बाजपेई, उपाध्यक्ष संजय पाठक एवं विजय सिंह वर्मा तथा ओलंपिक संघ के सचिव महेंद्र सिंह राजपूत ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उप्पल आई एवं डेन्टल केयर

World Health Day

गायब दाँतों की जगह
नए दांत लगाए
अपना आत्मविश्वास
वापस लाएं
डेंटल इम्प्लांट्स
के साथ

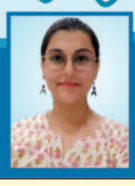

डॉ. जयति उप्पल
MDS Periodontics and
Implantology AMU Aligarh

डेंटल इम्प्लांट्स के फायदे

- प्राकृतिक लुक और आरामदायक फिट
- लंबे समय तक टिकाऊ और भरोसेमंद
- गायब दाँतों के लिए स्थायी समाधान
- खाने और चबाने की क्षमता में सुधार
- चेहरे की सुंदरता में सुधार

शंकर विहार, गीता एन्कलेव, दुर्गा मन्दिर के पास कृष्णा नगर, मथुरा
0565-2422356, +91- 8979823888

माँ सरस्वती अस्पताल

वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक-मात्र सम्पूर्ण अस्पताल

हर कदम पर भरोसा, हर इलाज में विश्वास

विभाग

- नेत्र रोग विभाग
- हड्डी एवं जोड़ विभाग
- स्त्री व प्रसूति रोग विभाग
- फिजियोथैरेपी विभाग
- सामान्य एवं गहन रोग विभाग
- दन्त रोग विभाग
- कॉस्मोटोलॉजी विभाग
- जनरल सर्जरी
- होम्योपैथी विभाग
- गुर्दा रोग विभाग

सभी इंश्योरेंस व आयुष्मान कार्ड से कैशलेश इलाज की सुविधा

24/7 Emergency Services

World Health Day

सुविधायें: एच.डी.यू. | डायलिसिस | डिजीटल एक्स-रे | फार्मेसी | पैथोलॉजी | अल्ट्रासाउंड

जयसिंहपुरा, वृन्दावन रोड, मथुरा। मो.: 8532879847
https://maasaraswatihospital.in

डॉ. राघव न्यूरोकेयर सेंटर

Dr. RAGHAV NEURO CARE CENTRE

विपिन नर्सिंग होम, कृष्णानगर, मथुरा

डॉ. राघव कुमार

विश्व स्वास्थ्य दिवस

M.B.B.S., M.D. (Med.) D.M. Neurology (Lucknow)
न्यूरो फिजिशियन
पूर्व विशेषज्ञ :-
डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, लखनऊ हिमालयन हॉस्पीटल, देहरादून

परामर्श समय: सोमवार से रविवार सुबह: 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक, शाम: 4:00 बजे से 8:00 बजे तक | शनिवार: 4:00 बजे से 8:00 बजे तक | पहले एवं तीसरे रविवार को पूर्ण अवकाश

जाँचें उपलब्ध:- NCV, EMG, EEG, RNST, BLINK REFLEX, SSEP, BAER

निम्न न्यूरो रोगों के विशेषज्ञ

- सिर दर्द (Migrane), कमर दर्द
- न्यूरोपैथी (नसों की बीमारी)
- पर्किन्सन रोग
- ब्रेन स्ट्रोक (पैरालिसिस)
- अल्जाइमरडिसीज, डिमेंशिया
- सेरिब्रल पाल्सी
- चक्कर आना
- मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी एवं नसों से सम्बंधित अन्य बीमारियां
- दिमाग में कीड़े की गांठ
- एपीलेप्सी (मिर्गी, दौरे आना)
- दिमागी बुखार (Meningitis)

उपलब्ध सुविधायें: आपातकालीन सुविधायें | पूर्णत: वातानुकूलित वार्ड | ऐम्बूलेंस | जाँचों की सुविधा | इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी लैब | संपूर्ण फिजियोथैरेपि | पुनर्वास केन्द्र | दवाएँ

न्यूरोलॉजी ओपीडी पहले और तीसरे शनिवार सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक हरमिलाप नर्सिंग होम, घंटाघर के पास, कोसीकलां

मथुरा में पहली बार, वर्टिगो टेस्टिंग लैब

परामर्श के लिये मोबाइल नम्बर:
7310644100, 9758554292

गोपी कृष्ण हॉस्पीटल

GOPI KRISHNA HOSPITAL
NABH ACCREDITED

बुआ, चाची, ताई, मौसी, आंटी... और अब माँ भी

WORLD HEALTH DAY

एण्ड टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

मथुरा का पहला IVF सेंटर

MATHURA'S IST FULL NABH ACCREDITED HOSPITAL
CASHLESS TREATMENT AVAILABLE FOR
◆ ECHS ◆ RAILWAYS ◆ AYUSHMAN ◆ CAPF
ALMOST ALL INSURANCE COMPANIES AND TPS

• IUI • IVF • EGG DONOR • EMBRYO
FREEZING • DAY 5 BLASTOCYST TRANSFER

निःसंतान दंपति अपनी सूनी गोद भरने के लिए हमसे परामर्श लें।

जनरल गंज, जी आई सी के सामने, आर्य समाज रोड, मथुरा
+91-7251066066, +91-9389882979

बी. एल. तिवारी मैमोरियल हॉस्पीटल

B.L TIWARI MEMORIAL COSMETIC GYNAECOLOGY CENTRE

World Health Day

Regain Control & Confidence

TREATMENT OF URINARY LEAKAGE

Non surgical Laser based

No More Suffering from Piles

PILE | FISSURE | FISTULA

Treatment by Laser

डॉ. वर्षा तिवारी
M.B.B.S., D.G.O.
परामर्श समय: प्रतिदिन 10 बजे से 2 बजे तक और सायं 6 बजे से 7 बजे तक

डॉ. बृजेन्द्र तिवारी
M.B.B.S., M.S., F.I.C.S., F.I.A.G.S.
परामर्श समय: प्रतिदिन 12 बजे से 3 बजे तक

1663, बाढ़पुरा, सदर रोड़, मथुरा | 8650039936, 9456683794

ब्रज चिकित्सा संस्थान

BRIJ CHIKITSA SANSTHAN Estd. 1978 DARESI ROAD, MATHURA सर्वे सन्तु निरामया:

(श्री अग्रवाल शिक्षा मण्डल 'रजि.' मथुरा द्वारा संचालित)

विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाओं के साथ आपकी सेवा में समर्पित विश्व स्वास्थ्य दिवस

विशेषज्ञ चिकित्सक

हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञा	जनरल व लैप्रोस्कोपिक सर्जन	प्रसूति व स्त्री रोग वांझपन विशेषज्ञा	कंसल्टेंट फिजिशियन	नवजात शिशु व चाइल्ड रोग विशेषज्ञ	प्रसूति व स्त्री रोग वांझपन विशेषज्ञा	चर्म रोग विशेषज्ञ	कान-नाक-गला रोग सर्जन
डॉ. सौरभ बंसल MBBS, MS (Ortho) सोमवार से शनिवार सुबह 11:00 से 2:00 शाम 5:00 से 6:00	डॉ. सागर मित्तल MBBS, MS (Surgery) सोमवार से शनिवार शाम 4:30 से 6:00	डॉ. नम्रता सिंह MBBS, MS (Gynae) मंगलवार-गुरुवार-शनिवार सुबह 11:00 से 1:30 बजे	डॉ. अंजलि चौधरी MBBS, MD (MEDICINE) सोमवार- शनिवार सुबह 9:00 से 1:00 बजे	डॉ. राघवेंद्र चौधरी MBBS, MD (PEDIATRICS) सोमवार- शनिवार सुबह 9:00 से 1:00 बजे	डॉ. एकता थदानी सिंह MBBS, DNB (Gynae) सोमवार-बुधवार-शुक्रवार सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक	डॉ. नवल किशोर गोयल (MBBS, MD) Skin प्रत्येक बुधवार सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक	डॉ. अभिषेक जोशी MS (ENT) सोमवार से शनिवार सुबह 10:30 से 11:30 बजे
कंसलटेंट रेडियोलोजीस्ट	नेत्र रोग विशेषज्ञा	कंसल्टेंट हिस्टो /साइटोपैथोलोजिस्ट	कॉस्मेटोलोजी और ट्राइकोलोजिस्ट	दंत रोग विशेषज्ञा	गुर्दा रोग विशेषज्ञ	कंसलटेंट फिजियोथेरेपीस्ट	
डॉ. निधि अग्रवाल MBBS, MD (Radiology)	डॉ. विशाल उप्पल MBBS, DOMS (Eye Surgeon) सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक	डॉ. शुचि मित्तल MBBS, DNB (Pathology)	डॉ. उमा चौहान BDS, MIDA, PGDCC सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक	डॉ. शिल्पी मंगला BDS, MIDA (Dental) सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक	डॉ. गौरव सिंघल MBBS, MD (Internal Medicine) DrNB (Nephrology)	डॉ. राहुल शर्मा MPT (Orthopedics)	

Ambulance Facility

24 HOURS EMERGENCY SERVICE

800 ₹ से अल्ट्रासाउंड शुरू व एक्स-रे सस्ते दामों पर

डायलिसिस सुविधा शीघ्र प्रारंभ

उपलब्ध प्रमुख सुविधाएँ

- सुबह व सायंकालीन ओ.पी.डी. की सुविधा
- अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक व प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ
- 24×7 भर्ती की सुविधा
- 24×7 एडवांस पैथोलॉजी लैब
- फिजियोथैरेपी व नैचुरोपैथी द्वारा उपचार
- एडवांस ऑपरेशन थिएटर व वातानुकूलित प्रसव कक्ष
- 24×7 जनरेटर व मेडिकल स्टोर की सुविधा
- ऑपरेशन द्वारा सुरक्षित डिलीवरी की सुविधा

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	उपमंत्री	कोषाध्यक्ष
जितेन्द्र कुमार अग्रवाल 'मैदावाले'	राजेंद्र कुमार अग्रवाल 'हाथीवाले'	अनुराग अग्रवाल 'कसेरे'	सुमनेश अग्रवाल 'सर्राफ'	राहुल अग्रवाल 'मिस्टिक पाम'

स्थान: बृज चिकित्सा संस्थान, दरेसी रोड, मथुरा संपर्क करें : 7300712610, 7300712510

नीलम हैल्थकेयर

संचालन- राय हैल्थकेयर प्रा. लि.

Dr. Saurabh Rai
General Physician (MBBS)

विश्व स्वास्थ्य दिवस
समय: सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक

पूर्व चिकित्सक: UPRIMS & R, Saifai | K.D.M.C., Mathura
स्वर्ण जयंती अस्पताल, केशव माधव चिकित्सक
छटीकरा सामान्य रोग, डायबिटीज, पेट रोग, श्वांस रोग, छाती रोग, बी.पी., थायराइड सभी आयु,पेशाब संबंधी रोग एवं अन्य बीमारियाँ

PEDIATRIC & NEONATOLOGY DEPARTMENT
Expart Care For Newborn Infans And Children
Level-3 Neonatal Intensive Care Unit (NICU)

Dr. Rasbihari Pandey
MBBS, MD Pediatrics
(Gold Medalist)
Fellowship in Neonatology
फिजियोथैरेपी
Dr. Bhanupratap

परामर्श शुल्क मात्र 100/-

24 HOUR EMERGENCY SERVICE
सभी TPA की सुविधा फरवरी से

दंत रोग विभाग (3PM-7PM)
Dr. Piyush

इमरजेंसी विभाग
Dr. Amit, Dr. Suneel

स्त्री रोग व प्रसूति विभाग (11AM-3PM)
Dr. Anchal Agarwal

हड्डी रोग विभाग (6PM-8PM)
Dr. Amit Agrawal, Dr. Abhishek

स्किन एण्ड हेयर विभाग (5PM-7PM)
Dr. Sangeeta Sharma

सुविधाएँ:- 24X7 भर्ती होने की सुविधा, आई.सी.यू. वैन्टीलेटर की सुविधा, इमरजेन्सी की सुविधा प्राइवेट रुम, जनरल वार्ड ओ.पी.डी., आई.पी.डी., ई.सी.जी. एक्स-रे, पैथोलॉजी की सुविधा, ऑपरेशन थियेटर की सुविधा, हेयर ट्रांस प्लांट एवं दांतों का इलाज

रानी गार्डन, श्री स्वचायर के सामने, गोवर्धन चौराहा, मथुरा
9259363963, 7017617225

यूपी लोक सेवा आयोग परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

यामिनी शर्मा और चंद्रवीर सिंह बने समीक्षा अधिकारी

यूनिक समय, मथुरा। जनपद की प्रतिभाओं ने एक बार फिर अपनी मेहनत और लगन का लोहा मनवाया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा में जिले की होनहार बेटी यामिनी शर्मा ने 240 वीं रैंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। वहीं सदर तहसील में कार्यरत लेखपाल चंद्रवीर सिंह ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर 11 वीं रैंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। दोनों की सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। तत्वदर्शी वाटिका कॉलोनी निवासी यामिनी शर्मा, उत्तर प्रदेश के

यामिनी शर्मा व चंद्रवीर सिंह

सहायक आबकारी आयुक्त यतेन्द्र शर्मा (पूर्व नौसेना कर्मी) की पुत्री हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा रतनलाल फूलकटोरी विद्या मंदिर से जीव विज्ञान वर्ग में पूरी की। इसके बाद जीएलए विश्वविद्यालय से जैव प्रौद्योगिकी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। यामिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता और गुरुओं को दिया है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा की घोषणा वर्ष 2023 में हुई थी, जिसके बाद उन्होंने निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ तैयारी की। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र में गर्व का माहौल है। साथ ही उनकी सफलता अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। दूसरी ओर, सदर तहसील में कार्यरत वर्ष 2024 बैच के लेखपाल चंद्रवीर सिंह ने भी समीक्षा अधिकारी पद पर चयनित होकर प्रदेश में 11 वीं रैंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि ने प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए नई मिसाल पेश की है। दोनों सफल अभ्यर्थियों को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। यामिनी शर्मा को पूर्व सैनिक यतेन्द्र कुमार शर्मा, एसके सिंह, रामपाल सिंह, डॉ. रमेश चंद, राजपाल सिंह, ओमवीर सिंह सहित कॉलोनी के लोगों और पूर्व नौसेना कर्मियों ने शुभकामनाएं दीं। वहीं चंद्रवीर सिंह को भी विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों शैलेश अग्रवाल समेत अन्य सामाजिक व्यक्तित्वों ने दोनों प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की उपलब्धियां जिले के युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

मथुरा में आंधी, बारिश व ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मौसम विभाग ने मथुरा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सात से नौ अप्रैल के बीच तेज आंधी, गरज–चमक, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में तेजी से बदलाव होगा। आठ अप्रैल को तापमान में छह-आठ डिग्री तक गिरावट दर्ज होने की संभावना है।

पूर्वानुमान के अनुसार सात व आठ अप्रैल को 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जो झोंकों में 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं। कई स्थानों पर वज्रपात और ओलावृष्टि के भी आसार हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि पकी फसलों की शीघ्र कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें और खेतों में जलभराव न होने दें। तेज हवाओं व ओलों से गेहूं, चना और सब्जी फसलों को नुकसान की आशंका है। खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

आंधी और बारिश से जिले में जनजीवन अस्त–व्यस्त

बारिश से निकलते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार की शाम फिर से मौसम ने करवट ली। आंधी के बाद आई बारिश ने लोगों के माथे पर चिंता की लकीर खींच दी। तेज अंधड़ के साथ बाजार में चलते लोगों के बीच अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। देखते ही देखते बारिश होने लगी तो पारा गिर गया, लेकिन किसानों को टेंशन पैदा हो गई। सोचने लगे कि आखिर होगा क्या।

ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को आगरा मंडल में चलाया अभियान

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित, संरक्षित एवं सुचारू संचालन को प्राथमिकता देते हुए मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पी. राज मोहन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन में रेल सुरक्षा बल एवं वाणिज्य विभाग ने अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए विशेष सघन संयुक्त अभियान शुरू किया।

आगरा मंडल के विभिन्न रेल खंडों, प्रमुख स्टेशनों एवं ट्रेनों में नियमित रूप से सघन जांच, निगरानी एवं जागरूकता गतिविधियाँ की जा रही हैं। अभियान के दौरान अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग के कुल 51 मामलों का पता लगाते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। लगभग रु. 23,665/– का जुर्माना वसूला गया। जांच के दौरान 12155 आगरा कैंट-राजा की मंडी के मध्य, 12191 होडल-कोसीकलां के मध्य ,14212 होडल यार्ड पर, 12629 आगरा कैंट यार्ड पर, 18238 अझई-वृन्दावन रोड के मध्य ,12715 आगरा कैंट स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर एसीपी की विशेष जांच की गई।

इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या 22182 मथुरा जंक्शन पर यात्री राजवीर, 12448 आगरा कैंट पर यात्री विष्णु, गाड़ी संख्या 12148 आगरा कैंट यार्ड पर यात्री रोहित, गाड़ी संख्या 14212 होडल यार्ड पर यात्री शोयब, गाड़ी संख्या 12155 में आगरा कैंट-राजाकी मंडी के बीच यात्री अंकित, गाड़ी संख्या 12190 मथुरा-बाद के मध्य यात्री सुमित, गाड़ी संख्या 14211 रुंधी-पलवल के मध्य पर यात्री चाहत द्वारा अनावश्यक रूप से अलार्म चेन पुलिंग किए जाने पर रेल सुरक्षा बल ने उन्हें गिरफ्तार किया।

वृंदावन की प्रमुख समस्याओं पर हुआ गहन मंथन

वृंदावन जन सेवा समिति की बैठक में पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। प्रेम गली स्थित श्री अन्नपूर्णा देवी मंदिर में वृंदावन जन सेवा समिति की हुई बैठक की। इसमें बंदरों का आतंक, आए दिनों लगने वाला जाम, शहर में अतिक्रमण, मंदिर समिति के बावजूद भी अनाज मंडी का स्थानांतरण न होना, सड़कों पर दूषित जल प्रवाह एवं यमुना शुद्धिकरण जैसे बड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्षता करते हुए बिहारी लाल विशिष्ट ने कहा कि वृंदावन नगर एक धार्मिक स्थल है, लेकिन कई समस्याओं से लोग परेशान हैं। बैठक में आचार्य अनिल कृष्ण शास्त्री, आचार्य करुणा शंकर त्रिवेदी, आचार्य राकेश शर्मा, महंत राम दास, सुखराम दास, बालों पंडित, आचार्य गोपाल शर्मा, आचार्य राजेश शास्त्री, रामबाबू शर्मा, गिरीराज शरण शर्मा, बृजेश गिरी तथा विजय गौतम आदि मौजूद थे।

गुरु कृपा विलास कॉलोनी के अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

यूनिक समय,मथुरा। गुरू कृपा विलास वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष प्रमिल गर्ग कसेरे के प्रार्थना पत्र के माध्यम से सोसाइटी के मंत्री कोषाध्यक्ष/उपाध्यक्ष को भेजे पत्र में अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि में किसी कारण बस अपने पद से इस्तीफा दिया।

राया पुलिस ने जुआ खेलते पांच जुआरी पकड़े

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना पुलिस ने कस्बा के सुल्तानगंज मोहल्ला से चोरी छिपे जुआ खेल रहे पांच जुआरियों को गिरफ्तार कर चालान किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने मुखबिर की सूचना पर सुल्तानगंज कब्रिस्तान में जुआ खेलते पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। कुछ अन्य युवक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गये। पुलिस ने जिनके कब्जे से ताश की गड्डी व नकदी बरामद की है।

यूपी के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत!

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की खिच–खिच भी समाप्त होगी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। इस साल बिजली की नई दरें (टैरिफ) अपने निर्धारित समय से लगभग छह महीने पहले ही जारी होने की उम्मीद है। नियामक आयोग की तैयारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए नया टैरिफ आदेश मई में ही लागू हो सकता है, जबकि पिछले साल यह प्रक्रिया नवंबर तक खिंची थी।

नए टैरिफ आदेश के साथ ही आयोग स्मार्ट मीटर से जुड़ी उन तमाम शिकायतों पर सख्त दिशा–निर्देश जारी करेगा, जिनसे उपभोक्ता लंबे समय से परेशान हैं। अक्सर प्रीपेड मीटर रीचार्ज करने के बाद भी घंटों बिजली नहीं आती। अब आयोग कनेक्शन जुड़ने के लिए एक न्यूनतम समय अनिवार्य करेगा। यदि तय समय में बिजली नहीं जुड़ी, तो उपभोक्ता मुआवजे का हकदार होगा। केंद्र सरकार के स्पष्टीकरण के बाद अब आयोग यह साफ करेगा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ता की पसंद पर निर्भर करेगा, इसे जबरन थोपा नहीं जा सकता। जो लोग प्रीपेड से वापस पोस्टपेड में आना चाहते हैं, उन्हें भी विकल्प दिया जाएगा। स्मार्ट मीटर के तेज चलने की शिकायतों पर जांच की एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाएगी। बीते छह वर्षों की तरह इस साल भी बिजली दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम जताई जा रही है। हालांकि बिजली कंपनियों ने अपने घाटे (एआरआरअंतर) की भरपाई के लिए दरों में 25 प्रतिशत इजाफे का प्रस्ताव दिया है, लेकिन आयोग उपभोक्ता हितों को ध्यान में रखते हुए इसे टाल सकता है। राहत की बात यह है कि प्रीपेड मीटर धारकों को मिलने वाली 2 प्रतिशत की छूट में इस बार बढ़ोतरी हो सकती है। मई में टैरिफ जारी होने से उपभोक्ताओं को ईंधन अधिभार शुल्क के बोझ से राहत मिलेगी। पिछले साल टैरिफ देरी से आने के कारण उपभोक्ताओं से लगभग 200 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वसूली हुई थी। आयोग इस अतिरिक्त राशि की वापसी पर टैरिफ से पहले ही आदेश दे सकता है। अपार्टमेंट और बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोगों के लिए भी राहत की खबर है। अब बिजली कंपनियों (लाइसेंसी) को साझा खपत का स्पष्ट ब्योरा देना होगा, जिससे बिलिंग में होने वाली धांधली पर रोक लगेगी।

नववर्ष मेला समिति पुरस्कार समारोह

नकद पुरस्कार पाकर खिले बच्चों के चेहरे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में नवसंवत्सर 2083 की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को आयोजित हुए नववर्ष मेला पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में आयोजित समारोह में नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार स्वरूप एकल प्रतियोगिता में प्रथम विजेता को 2100, द्वितीय को 1100 एवं तृतीय को 500 रुपए की नकद धनराशि दी गई। सामूहिक प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 5100, द्वितीय को 3100 एवं

नववर्ष मेला समिति पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभागी बच्चे, अभिभावक और समिति पदाधिकारी।

तृतीय को 2100 रुपए की नकद धनराशि और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कुल 48 प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। लक्की ड्रॉ में 15 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। नकद धनराशि का पुरस्कार प्राप्त कर नन्हें मुने–बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा और महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने किया। समारोह की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा ने की। महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने आभार जताया। संचालन डॉ. दीपा अग्रवाल एवं डॉ. रुचि अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर प्रदीप अग्रवाल, राजीव कृष्ण, अनिरुद्ध अग्रवाल, रजत बाल्मीकि, सुभाष सैनी, अजय अग्रवाल, गंगाधर अरोड़ा, मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा, रजनी भट्ट, डॉ. जमुना देवी शर्मा, महेश गोस्वामी, दीपेश श्रीवास्तव, राजीव पाठक, हर्षवरूप यादव, जयपाल सिंह सिसोदिया, अनामिका दीक्षित, शुचि अग्रवाल, प्रिया वशिष्ठ, आरती शर्मा, दिनेश सिकरवार, देवेश तथा सुनील अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

यूनिक समय, छाता। समाजवादी पार्टी के नेता लोकमणि जादौन ने क्षेत्र में लगातार हो रही बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से किसानों को हुए भारी नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उपजिलाधिकारी छाता को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। श्री जादौन ने प्रशासन से प्रभावित किसानों का तत्काल सर्वे कराकर उन्हें उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की। कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर शर्मा, यूथ ब्रिगेड के पूर्व जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप, लोहिया वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष लोकेश चौधरी, लोहिया वाहिनी पूर्व जिला महासचिव राज पांडे एवं राकेश आजाद आदि मौजूद थे।

आयुर्वेद में छिपा है सेहत का खजाना

हेल्दी और फिट रहने के लिए अपनाएं आयुर्वेदिक उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। आयुर्वेद में स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्राचीन काल से प्राकृतिक तौर तरीकों पर बल दिया जाता है। बिना किसी साइड इफेक्ट के जड़ी बूटियों के इस्तेमाल से स्वास्थ्य लाभ पाने के लिए आयुर्वेद लोगों का भरोसेमंद साथी बन गया है।

आयुर्वेद में स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्राचीन काल से प्राकृतिक तौर तरीकों पर बल दिया जाता है। यह चिकित्सा पद्धति इतना प्रभावशाली है कि धीरे धीरे इसकी ख्याति पूरे विश्व में हो गई है। बिना किसी साइड इफेक्ट के जड़ी बूटियों के इस्तेमाल से स्वास्थ्य लाभ पाने के लिए आयुर्वेद लोगों का भरोसेमंद साथी बन गया है। जहाँ स्वास्थ्य लाभ की बात आती है लोगों का पहला चयन आयुर्वेदिक उपचार ही होता है।

आशा आयुर्वेदा की डायरेक्टर और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चंचल शर्मा बताती हैं कि बॉडी केयर के लिए आयुर्वेद में तीन दोषों के संतुलन पर जोर दिया जाता है। ये तीन दोष हैंः वात, पित्त, कफ। आयुर्वेद के अनुसार, यही तीन दोष आपके शरीर में मुख्य ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके कारण

आपका शरीर सुचारू रूप से कार्य कर पाता है। स्वस्थ शरीर के लिए इन दोषों का संतुलन काफी जरूरी होता है। यही तीन दोष शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

ध्यानः तन और मन के बीच सामंजस्य बैठाने के लिए ध्यान बहुत जरूरी है। नियमित ध्यान करने से आपका तनाव कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है और विचारों में स्पष्टता आती है। इसलिए आपको ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। इससे निर्णय लेने की क्षमता में भी विकास होता है और अध्यात्म में रुझान बढ़ता है।

उचित आहारः किस व्यक्ति को क्या खाना चाहिए, इसका निर्णय उसके शरीर में मौजूद तीनों दोषों के स्तर को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। उचित आहार से ये सभी दोष संतुलित हो जाते हैं और इसके कारण होने वाले विकारों से मुक्ति मिल जाती है। यह पाचन तंत्र को मजबूती प्रदान करता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

पंचकर्मः पंचकर्म आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की वह तकनीक है जिसकी मदद से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाला जाता है। यही विषाक्त पदार्थ आपके शरीर में मौजूद कई बीमारियों का कारण हो सकते हैं।

दैनिक दिनचर्याः आपकी दैनिक दिनचर्या दिनचर्या सही है तो आपको अच्छी नींद आती है और पाचन शक्ति भी बढ़ती है। इससे आपकी कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित होती है इसलिए एक दैनिक दिनचर्या बनाएं और उसका पालन करें।

तनाव प्रबंधनः आधुनिक समय में व्यस्त जीवनशैली के कारण लोगों का तनाव भी बढ़ता जा रहा है ऐसे में तनाव के कारण तरह तरह की बिमारियाँ भी उत्पन्न होती हैं जो धीरे धीरे स्वास्थ्य पर नेगेटिव प्रभाव डालती है। शरीरिक और मानसिक आरोग्य हेतु तनाव प्रबंधन बहुत जरूरी है। इसके लिए आप योग, आयुर्वेदिक उपचार, ध्यान, आदि का उपयोग कर सकते हैं।

भरपूर नींदः एक अच्छे स्वास्थ्य के लिए नींद बेहद जरूरी है। यह जीवन के तीन महत्वपूर्ण आधारों में से एक है। नींद के दौरान शरीर के अंदर ऊर्जा का संचय होता है जिसकी मदद से शरीर कार्यन्वित होता है। नींद शरीर का सामंजस्य प्रकृति के साथ स्थापित करता है और विचारों की स्पष्टता प्रदान करता है।

हर्बल उपचारः आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी बूटियों के बारे में बताया गया है जिनके सेवन से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसमें प्रमुख हैं तुलसी, अश्वगंधा, हल्दी, आंवला, नीम, शतावरी, गुडुची, आदि। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ होता है।

गर्मी में बच्चों को रखें स्वस्थ

इन आसान उपायों से करें बीमारी से बचाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम आते ही बच्चों की सेहत को लेकर सतर्क रहना जरूरी हो जाता है। जहां बड़े लोग लू और डिहाइड्रेशन से परेशान हो जाते हैं, वहीं बच्चों का कमजोर इम्यून सिस्टम उन्हें और भी जल्दी बीमार बना सकता है। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ खास बातों का ध्यान रखें ताकि गर्मियों में भी बच्चे तंदरुस्त रहें।

हाइड्रेशन का रखें ध्यान : गर्मी में सबसे ज्यादा खतरा डिहाइड्रेशन का होता है। बच्चों को अक्सर सादा पानी पीना पसंद नहीं होता, ऐसे में उन्हें नारियल पानी, नींबू पानी, आम पन्ना और छाछ जैसे तरल पदार्थ देने चाहिए। ये शरीर को ठंडक देने के साथ लू से भी बचाते हैं।

दही को बनाएं डाइट का हिस्सा : दही गर्मी में पेट के लिए रामबाण है। यह प्रोबायोटिक होता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। रोजाना बच्चे के खाने में घर का बना दही जरूर शामिल करें ताकि उसका डाइजेशन अच्छा बना रहे।

पानीदार फल जरूर खिलाएं : खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा और अंगूर जैसे मौसमी फल बच्चों की डाइट में जरूर शामिल करें। ये न सिर्फ पानी की कमी को दूर करते हैं बल्कि शरीर को ज़रूरी पोषक तत्व भी देते हैं।

धूप से बचाव करें : बच्चों को 12 से 3 बजे के बीच बाहर न भेजें। अगर बाहर जाना ज़रूरी हो तो हल्के और ढके हुए कपड़े पहनाएं, साथ में कैप लगवाएं। इससे सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव होता है।

स्किन का विशेष ध्यान रखें : घमौरियों से राहत पाने के लिए बच्चों को रोज नहलाएं और नहाने के बाद मेडिकेटेड टेलकम पाउडर लगाएं। पसीना आने पर सूती कपड़े से साफ करें और किसी चोट पर तुरंत एंटीसेप्टिक क्रीम लगाएं, क्योंकि गर्मी में इंफेक्शन जल्दी फैलता है।

इन छोटी–छोटी सावधानियों को अपनाकर हम बच्चों को गर्मी में भी स्वस्थ और खुश रख सकते हैं।

गर्मियों में बनाएं टेस्टी और हेल्दी सत्तू के लड्डू

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी आते ही डाइट में सत्तू जरूर शामिल कर लें। बेसन का सत्तू और जौ का सत्तू गर्मी को दूर कर शरीर को स्वस्थ बनाने में मदद करता है। सत्तू शरीर में ताजगी बनाए रखने और सेहत को फिट रखने में मदद करता है। सत्तू पीने से शरीर को ठंडक मिलती है और आपको दिनभर एनर्जी भी मिलती रहेगी। बड़े हों या बच्चे सभी को सत्तू का सेवन जरूर करना चाहिए। अगर आपको नॉर्मल सत्तू का स्वाद पसंद नहीं है तो इससे लड्डू बना सकते हैं। जी हां सत्तू के लड्डू खाने में बेसन से भी ज्यादा टेस्टी लगते हैं। आप इन्हें आसानी से बना सकते हैं। सत्तू का भुना–भुना स्वाद लड्डू में अलग ही फ्लेवर लेकर आता है। आइये जानते हैं सत्तू के लड्डू बनाने की आसान रेसिपी किया है?

बनाने की सामग्रीः लड्डू बनाने के लिए आपको करीब 1 कप चना का सत्तू लेना है। इसके लिए आधा कप गुड़ या चीनी ले लें। एक चौथाई कप देसी घी

और करीब एक चम्मच इलायची पाउडर लें। मेवा में अपनी पसंद के कोई भी ड्राईफ्रूट्स जैसे पिस्ता, बादाम, काजू और किशमिश डाल सकते हैं।

सबसे पहले सत्तू को एक कड़ाही में डालकर हल्का भून लें। आप चाहें तो सत्तू को सूखा ऐसे ही भून सकते हैं या इसे बेसन की तरह घी डालकर भून लें। हम यहां सत्तू को सूखा ही भून रहे हैं। जब सत्तू में से खुशबू आने लगे तो समझ लें कि सत्तू भुन चुका है।

अब सत्तू को हल्का ठंडा होने दें और इसमें पिसी हुई चीनी या फिर गुड़ मिला लें। अब इलायची पाउडर डालें और फिर घी डालकर अच्छी तरह से सारी चीजों को मिला दें। लड्डू के लिए अच्छा बैटर जैसा तैयार कर लें। अब सत्तू से छोटे–छोटे लड्डू बनाकर तैयार कर लें। लड्डू के ऊपर बारीक कटे हुए मेवा चिपका दें। आप चाहें तो मेवा को भी लड्डू के मिश्रण में मिला सकते हैं। तैयार हैं सत्तू के टेस्टी लड्डू, आप इन्हें 15 दिन तक आसानी से खा सकते हैं।

सत्तू के लड्डू भुनने के बाद जल्दी खराब नहीं होते हैं। सत्तू खाने से पेट को ठंडक मिलती है। ये लड्डू पेट के लिए सुपाच्य और हल्के माने जाते हैं। इन्हें आसानी से पचाया जा सकता है। सत्तू में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। चना से बना सत्तू प्रोटीन का भी अच्छा सोर्स है। इसलिए अगर आप सुबह एक सत्तू का लड्डू खाते हैं तो इससे शरीर को दिनभर ऊर्जा और पोषण मिलता रहता है। गर्मियों में सत्तू के लड्डू जरूर बनाकर खाएं।

पार्टनर के साथ इन हसीन जगहों पर बिताएं रोमांटिक पल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप भी मई के महीने में किसी ठंडी जगह की तलाश कर रहे हैं, लेकिन यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आपको कहां जाना चाहिए तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको पूर्व भारत से लेकर उत्तर–दक्षिण भारत की कुछ ऐसी हसीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मई साल का एक ऐसा महीना है, जब देश के अधिकतर हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ने लगती है। मईकी चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए कई लोग पहाड़ों पर घूमने के लिए जाते हैं। इस महीने में कपल्स गर्मी से दूर हसीन, खूबसूरत और ठंडी–ठंडी जगहों की तलाश करते हैं। जहां पर वह रोमांटिक और सुकून के पल बिता सकें। ऐसे में अगर आप भी अप्रैल के महीने में किसी ठंडी जगह की तलाश कर रहे हैं, लेकिन यह तय

नहीं कर पा रहे हैं कि आपको कहां जाना चाहिए तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पूर्व भारत से लेकर उत्तर–दक्षिण भारत की कुछ ऐसी हसीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

सोनमर्ग : अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए आप सोनमर्ग का ही रुख कर सकते हैं। यह जम्मू कश्मीर की हसीन वादियों में मौजूद है। इसको जम्मू–कश्मीर का एक रोमांटिक और खूबसूरत हिल स्टेशन माना जाता है। अप्रैल में सोनमर्ग का तापमान 2 डिग्री से लेकर 15 डिग्री के बीच रहता है। यहां पर आप कृष्णासर झील, विशनसर झील, थजवास ग्लेशियर और बालटाल घाटी जैसी रोमांटिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

स्पीति वैली : हिमाचल प्रदेश में ऐसी कई शानदार और हसीन जगहें मौजूद हैं, जहां पर आप अप्रैल के महीने में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं। हिमाचल में स्पीति वैली एक रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। अप्रैल की गर्मी में यहां पर कई कपल्स घूमने के लिए आते हैं। अप्रैल में स्पीति वैली का तापमान 7 डिग्री से लेकर 20 डिग्री के बीच रहता है। यहां पर आप पिन वैली नेशनल पार्क और चंद्रताल को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

गंगटोक : अप्रैल के महीने में पूर्व भारत में गंगटोक जा सकते हैं। कपल्स के लिए यह एक हसीन और रोमांटिक जगह है। सिक्किम की राजधानी गंगटोक पूर्व भारत का एक टॉप क्लास डेस्टिनेशन है।

गंगटोक में बादलों से ढके ऊंचे–ऊंचे पहाड़, झील–झरने और घने जंगल यहां की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। यह पूर्व भारत का एक रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। गंगटोक में आप एनचे मठ, त्सोमो झील, ताशी व्यू प्वांइट और हिमालयन जूलॉजिकल पार्क जैसी हसीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

चोपता : समुद्र तल से करीब 8 हजार से ज्यादा फीट की ऊंचाई पर मौजूद चोपता एक बेहतरीन हिल स्टेशन है। हिमालय की गोद में बसे चोपता हिल स्टेशन पर हर कपल्स जाना चाहता है। चोपता एक रोमांटिक डेस्टिनेशन के रूप में जाना जाता है।

अप्रैल में यहां का तापमान 2 डिग्री और अधिकतम 15 डिग्री रहता है। इसलिए यहां पर कई कपल्स हनीमून मनाने के लिए पहुंचते हैं और साथ में टाइम स्पेंड करते हैं। चोपता में आप देवरिया ताल, तुंगनाथ मंदिर और चंद्रशिला ट्रेक आदि जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

कुर्ग : अगर आप अप्रैल महीने में दक्षिण भारत की किसी शानदार और हसीन जगह जाना चाहते हैं। तो आपको कुर्ग पहुंचना चाहिए। यह कर्नाटक का एक खूबसूरत और रोमांटिक हिल स्टेशन है।

कुर्ग की हसीन वादियों में स्टे के लिए आपको कई रिसॉर्ट और विला मिल जाएंगे। जहां पर आप रोमांटिक पल बिता सकते हैं। यहां पर आप राजा की सीट, एबी फॉल्स, दुबारे हाथी शिवर और नामद्रोलिंग मठ आदि जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं और एडवेंचर एक्टिविटी कर सकते हैं।

सुविचार

सपने वही पूरे होते हैं, जिन्हें पूरा करने का साहस आप रखते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी 02:10-04:34 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	ज्येष्ठा 02:56- 05:53 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	6:07 AM	चन्द्रोदय	11:40 PM
सूर्यास्त	6:35 PM	चंद्रास्त	09:50 AM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त	11:56AM -12:46 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:29-05:17
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	03:28 PM: 05:02 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अपने मूलांक के अनुसार करें धन प्राप्ति के उपाय

जिंदगी में कभी नहीं होगी धन की कमी!

यूनिक समय, मथुरा। धन की समस्या से निपटने के लिए जन्म तारीख के अनुसार उपाय बताए गए हैं। प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपनी जन्म तारीख के अनुसार उपाय करने चाहिए। इससे जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होगी.....

आजकल हर व्यक्ति को धन की समस्या बनी रहती है। बहुत मेहनत करने के बाद भी व्यक्ति के पास उतना धन नहीं आता जितने से वह अच्छा जीवन व्यतीत कर सके अथवा कुछ धन भविष्य के लिये जोड़ सके। बहुत सारे पूजा, उपाय और टोटके करने के बाद भी लोगों को धन के मामले में कामयाबी नहीं मिल रही है। बहुत से लोगों के पास जन्म विवरण पूरा नहीं होता है। जन्म की तारीख लगभग हर व्यक्ति को पता होती है। आज हम आपको आपकी जन्म तारीख के अनुसार धन को आकर्षित करने वाले उपाय बताने जा रहे हैं। जिन्हें करने से धन अपने आप चुम्बक की तरह आपके पास चला आएगा।

1,10,19,28 तारीख (मूलांक-1): इन तारीख में जन्मे लोगों को प्रतिदिन सूर्यदेव को जल देना चाहिए। आटे के पेड़े बना कर उसमें गुड़ भरकर लाल गाय को खिलाना चाहिए। इससे धन की आवक बढ़ जाती है।

2,11,20,29 तारीख (मूलांक-2): इन तारीखों में जन्मे जातकों के लिए गले में चांदी की चेन धारण करनी चाहिए। साथ ही अपनी मां से एक चांदी का सिक्का या कोई भी आभूषण लेकर अपनी पर्स में सदैव साथ रखें। अपनी माता के साथ संबंध अच्छे रखें प्रतिदिन उनका आशीर्वाद ले।

3,12,21,30 तारीख (मूलांक-3) : इन तारीखों में जन्मे जातक को प्रतिदिन अपने मस्तक और नाभि पर केसर या हल्दी का तिलक करना चाहिए। इसके अलावा 10 रूपये के तीन नए नोटों पर हल्दी से स्वास्तिक बनाकर उन्हें पर्स या तिजोरी में रखना चाहिए।

4,13,22,32 (मूलांक-4): इन तारीख में जातकों को सदैव अपने साथ लकड़ी से बना एक पेन रखना चाहिए तथा साथ ही हर महीने भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक करना चाहिए। इससे उनके जीवन में धन की समस्याएं सदैव के लिए समाप्त हो जाएंगी।

5,14,23 तारीख (मूलांक-5): इन तारीखों में जन्मे जातकों को धन की समस्या से मुक्ति पाने के लिए भगवान गणेश जी को प्रत्येक बुधवार दूर्वा अर्पित करनी चाहिए तथा पांच छोटी हरी इलायची अपने पर्स में सदैव रखनी चाहिए।

6,15,24 तारीख (मूलांक-6): इन तारीखों में जन्मे जातक को धन की समस्या अपने जीवन से समाप्त करने के लिए नहाने के पानी में प्रत्येक शुक्रवार चंदन या गुलाब का इत्र डालकर स्नान करना चाहिए। मां लक्ष्मी के मंदिर में शुक्रवार को गुलाब की धूपबत्ती और झाड़ू का दान करना चाहिए।

7,16,25 तारीख(मूलांक-7): तुम तारीफों में जन्मे जातकों को प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए तथा कलाई में सदैव गोल्डन और सिल्वर कलर की घड़ी पहनी चाहिए। इससे आपके जीवन में प्रवाह बढ़ जाएगा।

8,17,26 तारीख (मूलांक-8): इन तारीखों में जन्मे जातकों को अपने जीवन में धन का प्रवाह बढ़ाने के लिए गली के कुत्तों को खाने को देना चाहिए तथा साथ ही अपने हाथ में काला धागा बांधना चाहिए।

9,18,27 तारीख (मूलांक-9): इन तरीकों में जन्मे जातकों को प्रत्येक मंगलवार गुड़डू की मीठी रोटी अथवा तंदूर की मीठी रोटी बनाकर कुत्ते और कौवा को खिलाना चाहिए। इन्हें चांदी का एक छोटा सा चौकोर टुकड़ा पर्स में सदैव साथ रखना चाहिए।

वृंदावन स्थित मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास महाराज से बातचीत करते योगाचार्य स्वामी रामदेव महाराज।

कल का राशिफल

मेष: कल का दिन सामान्य रहेगा, कार्यों में मध्यम प्रगति होगी। खर्च और स्वास्थ्य पर संतुलन बनाए रखें।

वृषभ: कामकाज में स्थिरता बनी रहेगी और छोटे लाभ मिल सकते हैं। स्वास्थ्य और दिनचर्या पर ध्यान दें।

मिथुन: रिश्तों में सामंजस्य रहेगा और कार्यक्षेत्र में सामान्य प्रगति होगी। निर्णय सोच-समझकर लें।

कर्क: दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा, कार्यों में थोड़ी बाधा आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह: रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और सामान्य सफलता मिलेगी। खर्चों को नियंत्रित रखें।

कन्या: परिवार का सहयोग मिलेगा और कामकाज में स्थिरता रहेगी। मानसिक संतुलन बनाए रखें।

तुला: आत्मविश्वास बढ़ेगा और छोटे-छोटे अवसर मिलेंगे। रिश्तों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

वृश्चिक: आर्थिक मामलों में सामान्य स्थिति रहेगी और कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु: दिन सामान्य रहेगा, मेहनत के अनुसार परिणाम मिलेंगे। जल्दबाजी से बचना फायदेमंद रहेगा।

मकर: खर्चों पर नियंत्रण रखें और काम में धैर्य बनाए रखें। स्वास्थ्य और आराम पर ध्यान दें।

कुंभ: आय के छोटे अवसर मिल सकते हैं और सामाजिक संपर्क बढ़ेंगे। संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

मीन: करियर में सामान्य प्रगति होगी और कार्य पूरे होंगे। मानसिक शांति और संयम बनाए रखें।

कलियुग का भयावह भविष्य: प्रेमानंद जी महाराज की चेतावनी

कलियुग में जब धरती पर भूख, प्यास और दुख का राज होगा

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज ने अपने हालिया प्रवचन में आने वाले समय की गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कलियुग की गति अब और भी भयावह होती जा रही है। पाप अपने चरम की ओर बढ़ रहा है, जबकि सच्चाई और धर्म धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं।

महाराज के अनुसार, कलियुग की कुल अवधि 4 लाख 32 हजार वर्षों की है, और जैसे-जैसे इसका अंत निकट आएगा, धरती पर भूख, प्यास और दुख का बोलबाला होगा। उन्होंने कहा कि एक ऐसा समय आएगा जब लोगों को खाने और पीने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। अन्न की भारी कमी होगी और सूखे के हालात पैदा होंगे। लोग

एक-दूसरे के दुश्मन बन जाएंगे, रिश्तों में विश्वास खत्म हो जाएगा, और समाज में अशांति फैल जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री-पुरुष दोनों अपने आचरण में गिरावट लाएंगे, बच्चों में माता-पिता के प्रति सम्मान समाप्त हो जाएगा, और धर्म के नाम पर पाखंडी लोग जनता को भ्रमित करेंगे। प्रेमानंद जी महाराज ने बताया कि जब अधर्म अपने चरम पर पहुंच जाएगा, तब भगवान विष्णु कल्कि अवतार लेकर धरती पर प्रकट होंगे और अधर्म का अंत करेंगे। यही समय महाप्रलय का होगा, जब सब कुछ नष्ट हो जाएगा और एक नई शुरुआत होगी। महाराज ने लोगों से अपील की कि वे अभी से भगवान का नाम लेना शुरू करें। उन्होंने कहा कि भजन, भक्ति और सच्चे मार्ग पर चलना ही इस युग के प्रभाव से बचने का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। सच्चे मन से एक बार भगवान को याद करने वाला व्यक्ति भी बुराइयों से बच सकता है।

कर्ज ने छीन ली है आपकी खुशियां तो घर-ऑफिस में तुरंत कर लें ये बदलाव

यूनिक समय, मथुरा। हर व्यक्ति के जीवन में कुछ ना कुछ परेशानी रहती है और इन परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए वह कुछ ना कुछ प्रयास भी करता रहता है। इन्हीं परेशानियों में एक है कर्ज व आर्थिक तंगी भी है, जो कि व्यक्ति को अंदर ही अंदर परेशान करती है व एक समय के बाद उसके मानसिक तनाव का बड़ा कारण बन जाती है। लेकिन अगर आप भी पैसों की तंगी, कर्ज से मुक्ति पाना चाहते हैं तो वास्तुशास्त्र के कुछ उपायों को अपना सकते हैं।

दरअसल, वास्तुशास्त्र में दिशाओं के आधार पर कई परेशानियों का निदान किया जा सकता है। ऐसे में अगर आप आर्थिक तंगी से छुटकारा पाना चाहते हैं तो घर व ऑफिस में आपको वस्तुओं को सुव्यवस्थित व वास्तु के अनुरूप रखने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा कई ऐसी अन्य चीजों को भी स्थापित करने के लिए कहा जाता है जिससे की आप कर्ज व पैसों की तंगी से छुटकारा पा सकते हैं। तो आइए ज्योतिषाचार्य व वास्तु सलाहकार डॉ अरविंद पचौरी से जानते हैं कि पैसों की तंगी व कर्ज से छुटकारा पाने के लिए घर-ऑफिस में कौन-कौन सी चीजों

को कौन सी दिशा में स्थापित करना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आप अपने घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करते हैं तो यह बहुत शुभ माना जाता है। चूंकि भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है और उनकी उपस्थिति से न केवल घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है। बल्कि वास्तु दोष भी स्वतः ही दूर हो जाते हैं। यह उपाय घर में सुख, समृद्धि और खुशियों की पुनः स्थापना करता है। घर की उत्तर-पूर्व दिशा को सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत माना जाता है। इस दिशा में सूरज की तस्वीर या बहती नदी की सुंदर छवि लगाना शुभ माना गया है। ऐसा करने से मानसिक शांति बढ़ती है और घर का माहौल शांत बना रहता है। यह एक सरल उपाय है जो आपके वातावरण को शुद्ध और ऊर्जा से भरपूर बना सकता है।

घर के मुख्य द्वार को नकारात्मक शक्तियों से सुरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए एक पुराना और प्रभावशाली उपाय है काले घोड़े की नाल। मुख्य दरवाजे पर इसे लगाने से बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती। यह उपाय घर को न केवल संरक्षित करता है बल्कि स्थिरता और सौभाग्य भी लाता है।

सम्पादकीय

सरकारी नौकरी की दौड़ में उलझे युवाओं के सपने

देश के करोड़ों युवाओं की जिंदगी इन दिनों किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कम और "सरकारी नौकरी महोत्सव" ज्यादा लगती है–जहां टिकट सबके पास है, लेकिन इनाम कुछ गिने–चुने लोगों को ही मिलता है। फर्क बस इतना है कि यहां लॉटरी का रिजल्ट साल में एक बार नहीं, कभी–कभी कई साल बाद आता है, और तब तक उम्मीदवार की उम्र, धैर्य और उम्मीद–तीनों का सिलेबस बदल चुका होता है।

पवन गौतम
संपादक

कल्पना कीजिए, 22 से 29 साल की उम्र–जब दुनिया के युवा करियर बना रहे होते हैं, पैसा कमा रहे होते हैं, रिश्ते बना रहे होते हैं–हमारे यहां लाखों युवा "अगली भर्ती कब आएगी?" का जाप कर रहे होते हैं। यह एक ऐसा तप है, जिसमें तपस्या तो पूरी होती है, लेकिन सिद्धि मिलना लगभग चमत्कार जैसा है।

मजेदार बात यह है कि निजी क्षेत्र में नौकरी मिल भी जाए तो युवा उसे ऐसे देखते हैं जैसे कोई "बैकअप ऑप्शन"–मानो असली जीवन तो सिर्फ सरकारी नौकरी मिलने के बाद ही शुरू होगा। वजह भी साफ है–निजी नौकरी में तनख्वाह कम, सुरक्षा कम और सम्मान भी "कॉन्ट्रैक्ट बेसिस" पर मिलता है। वहीं सरकारी नौकरी में वेतन के साथ स्थायित्व, पेंशन, और समाज में "इज्जत" का बोनस पैकेज मिलता है। ऐसे में युवा क्यों न इस लॉटरी का टिकट बार–बार खरीदें? इस पूरे खेल का सबसे दिलचस्प पहलू है "कोचिंग इंडस्ट्री", जो इस लॉटरी संस्कृति की असली विजेता है। परीक्षा हो या न हो, रिजल्ट आए या न आए–फीस समय पर आती रहती है। छात्र पढ़ते कम हैं, "कटऑफ" और "वेटिंग लिस्ट" के गणित में ज्यादा उलझे रहते हैं। एक तरह से यह देश का सबसे बड़ा "प्रतीक्षालय उद्योग" बन चुका है। सरकारें भी इस खेल में कम दिलचस्प नहीं हैं। कभी भर्तियां निकालकर उम्मीद जगाई जाती है, तो कभी पद खाली रखकर बजट बचाया जाता है। ऊपर से सब्सिडी और कोचिंग सहायता देकर युवाओं को यह भरोसा दिलाया जाता है कि "बस अगली बार आपकी बारी है।" यह वैसा ही है जैसे कोई दुकानदार हर बार कहे–"अगले हफ्ते माल आएगा।"

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नतीजा यह है कि देश का सबसे ऊर्जावान वर्ग इंतजार में खड़ा है, जबकि अर्थव्यवस्था को उनकी जरूरत है। यह केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों की भी बर्बादी है। अब वक्त आ गया है कि इस "सरकारी नौकरी लॉटरी" के मोह से बाहर निकला जाए। वरना आने वाली पीढ़ियां भी यही पूछेंगी–"नौकरी मिली या अब भी फॉर्म भर रहे हो?"

नजरिया

स्मार्ट मीटर के बहाने उपभोक्ताओं पर बढ़ता दबाव और बिजली कंपनियों का सच

मुकेश कुमार भूषण

देश में बिजली क्षेत्र लंबे समय से आर्थिक और नीतिगत चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली उत्पादन से लेकर वितरण तक की पूरी व्यवस्था में घाटे, तकनीकी खामियों, राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रशासनिक अक्षमता की परतें साफ दिखाई देती हैं। हाल के दिनों में स्मार्ट मीटर को लेकर जो बहस छिड़ी है, उसने इस पूरे मुद्दे को फिर से केंद्र में ला दिया है। एक तरफ सरकार यह कह रही है कि स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर उपभोक्ताओं पर इन्हें लगवाने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर बिजली कंपनियों के घाटे का बोझ किस पर डाला जा रहा है और क्या इसका समाधान सही दिशा में किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर को तकनीकी सुधार के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि इससे बिजली की चोरी रुकेगी, बिलिंग में पारदर्शिता आएगी और उपभोक्ता अपने उपयोग को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर पाएंगे। लेकिन जब यही व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बनने लगे, तो इसकी मंशा और क्रियान्वयन दोनों पर सवाल उठना जरूरी हो जाता है। कई जगहों से शिकायतें सामने आई हैं कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल अचानक बढ़ गए हैं। उपभोक्ताओं को यह समझ ही नहीं आ रहा कि उनकी खपत इतनी कैसे बढ़ गई। इससे लोगों में अविश्वास और असंतोष दोनों बढ़ रहे हैं। सरकार की ओर से यह तर्क दिया जाता है कि बिजली कंपनियां भारी घाटे में हैं, इसलिए प्री–पेड स्मार्ट मीटर जैसे कदम उठाने जरूरी हैं। लेकिन यह तर्क अधूरा है। घाटे की असली वजहों पर यदि गंभीरता से नजर डाली जाए तो तस्वीर कुछ और ही नजर आती है। बिजली चोरी, लाइन लॉस, पुराने ढांचे की खराब स्थिति और प्रबंधन की कमजोरी तो हैं ही, लेकिन सबसे बड़ा कारण राजनीतिक हस्तक्षेप है। वर्षों से चुनावी राजनीति में मुफ्त या सस्ती बिजली का वादा एक आम हथियार बन चुका है। किसानों से लेकर घरेलू उपभोक्ताओं तक को मुफ्त बिजली देने की घोषणाएं की जाती रही हैं, जिनका बोझ अंततः बिजली कंपनियों पर पड़ता है। यह भी एक सच्चाई है कि कई बड़े औद्योगिक उपभोक्ता और संस्थान भी समय पर भुगतान नहीं करते या अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर भुगतान टालते रहते हैं। लेकिन कार्रवाई अक्सर छोटे और मध्यम उपभोक्ताओं पर ही होती है। यही वह दोहरा मापदंड है जो पूरे सिस्टम को अविश्वसनीय बनाता है। यदि घाटा कम करना ही उद्देश्य है, तो फिर बड़े बकायेदारों पर सख्ती क्यों नहीं दिखाई जाती? क्यों आम उपभोक्ता को ही सबसे आसान लक्ष्य मान लिया जाता है? स्मार्ट मीटर को लेकर एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसे धीरे–धीरे अनिवार्य बनाया जा रहा है, भले ही आधिकारिक तौर पर इसे वैकल्पिक बताया जाए। नए बिजली कनेक्शन केवल स्मार्ट मीटर के साथ ही दिए जाने की व्यवस्था इसका स्पष्ट संकेत है। यानी उपभोक्ता के पास विकल्प वास्तव में बचता ही नहीं है। यह स्थिति पारदर्शिता और उपभोक्ता अधिकारों के सिद्धांतों के खिलाफ है। बिजली कंपनियों के घाटे की बात करते समय यह भी देखना जरूरी है कि पूरे क्षेत्र की वित्तीय स्थिति क्या है। एक ओर यह कहा जाता है कि कंपनियां भारी नुकसान में हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ आंकड़े यह भी बताते हैं कि वितरण कंपनियां मुनाफे में आ रही हैं। यदि वितरण कंपनियां लाभ कमा रही हैं, तो फिर उत्पादन कंपनियों के घाटे का कारण क्या है? क्या यह पूरे ढांचे की असंतुलित नीति का परिणाम नहीं है? यह एक ऐसा प्रश्न है जिसका स्पष्ट और ईमानदार जवाब अभी तक नहीं दिया गया है। वास्तव में समस्या केवल तकनीक या मीटर बदलने की नहीं है, बल्कि पूरे बिजली क्षेत्र के ढांचे में सुधार की जरूरत है। जब तक उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण के बीच संतुलन नहीं बनाया जाएगा, तब तक केवल स्मार्ट मीटर लगाने से कोई चमत्कारी बदलाव नहीं आने वाला। इसके अलावा, उपभोक्ताओं के साथ संवाद और विश्वास कायम करना भी उतना ही जरूरी है। यदि लोग यह महसूस करेंगे कि उनके साथ अन्याय हो रहा है, तो वे किसी भी नई व्यवस्था को स्वीकार नहीं करेंगे। स्मार्ट मीटर का विचार अपने आप में गलत नहीं है। दुनिया के कई देशों में यह सफलतापूर्वक लागू हुआ है और इससे कई फायदे भी हुए हैं। लेकिन वहां इसे लागू करने से पहले मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया गया, उपभोक्ताओं को पूरी जानकारी दी गई और उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। भारत में अक्सर देखा गया है कि नई योजनाएं बिना पर्याप्त तैयारी के लागू कर दी जाती हैं, जिससे लाभ के बजाय समस्याएं बढ़ जाती हैं।

सरकार और बिजली कंपनियों को यह समझना होगा कि उपभोक्ता कोई दुश्मन नहीं हैं, बल्कि पूरे सिस्टम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यदि उन्हीं पर अविश्वास किया जाएगा और उन्हें ही हर समस्या का जिम्मेदार ठहराया जाएगा, तो स्थिति और बिगड़ेगी। जरूरत इस बात की है कि एक संतुलित और न्यायसंगत नीति बनाई जाए, जिसमें सभी पक्षों की जिम्मेदारी तय हो। राजनीतिक दलों को भी अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करना होगा। मुफ्त बिजली जैसे वादे अल्पकालिक लाभ तो दे सकते हैं, लेकिन दीर्घकाल में यह पूरे क्षेत्र को कमजोर कर देते हैं। यदि वास्तव में किसानों या गरीब उपभोक्ताओं को राहत देनी है, तो इसके लिए पारदर्शी और लक्षित सब्सिडी की व्यवस्था की जानी चाहिए, न कि अंधाधुंध छूट देकर कंपनियों को घाटे में धकेला जाए। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि बिजली कंपनियों के घाटे का ठीकरा केवल आम उपभोक्ताओं पर फोड़ना न तो न्यायसंगत है और न ही व्यावहारिक। स्मार्ट मीटर को समाधान के रूप में प्रस्तुत करने से पहले यह जरूरी है कि उसकी खामियों को दूर किया जाए और उपभोक्ताओं का विश्वास जीता जाए। अन्यथा यह व्यवस्था भी एक नई समस्या बनकर सामने आएगी, जिसका खामियाजा फिर आम जनता को ही भुगतना पड़ेगा। बिजली क्षेत्र में सुधार की दिशा में कदम उठाना समय की मांग है, लेकिन यह सुधार समग्र, पारदर्शी और न्यायपूर्ण होना चाहिए। तभी यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि न केवल कंपनियां आर्थिक रूप से मजबूत हों, बल्कि उपभोक्ताओं का भरोसा भी बना रहे।

विचार विण्डो

संगीत–मानव भावनाओं और कला–दर्शन की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय संस्कृति में संगीत केवल ध्वनियों का संयोजन भर नहीं है, बल्कि यह जीवन के गहरे अनुभवों, भावनाओं और आध्यात्मिक चेतना का सशक्त माध्यम है। विशेष रूप से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को यदि समझने का प्रयास किया जाए, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर और बाहर के संसार को जोड़ने वाला एक सेतु है। यह कला मनुष्य की संवेदनाओं को परिष्कृत करती है, उसे भीतर से समृद्ध बनाती है और जीवन को एक गहन अर्थ प्रदान करती है।

आधुनिक समय में जब कला को अक्सर 'एस्थेटिक' यानी सौंदर्य के सीमित दायरे में देखा जाता है, तब भारतीय दृष्टिकोण इस अवधारणा को कहीं अधिक व्यापक रूप में प्रस्तुत करता है। भारतीय कला–दर्शन में सौंदर्य केवल दृश्य या श्रव्य आनंद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अनुभूति, संवेदना और आत्मिक संतुलन का भी विषय है। यही कारण है कि भारतीय विद्वानों ने 'एस्थेटिक' के स्थान पर 'कलात्मक अनुभव' या 'संवेदनशीलता' जैसे शब्दों को अधिक उपयुक्त माना है। पश्चिमी विचारकों द्वारा कभी–कभी यह कहा गया कि भारतीय कला में सौंदर्य का स्पष्ट बोध नहीं है, लेकिन यह कथन भारतीय परंपरा की गहराई को समझने में असफलता को ही दर्शाता है। संस्कृत साहित्य में 'सौंदर्य', 'चारुता' और 'रमणीयता' जैसे अनेक शब्द इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय मनीषा ने कला के सौंदर्य को न केवल समझा, बल्कि उसे अत्यंत सूक्ष्मता से अभिव्यक्त भी किया है। अंतर केवल दृष्टिकोण का है–जहां पश्चिम में सौंदर्य को अधिकतर बाहरी रूप में देखा गया, वहीं भारतीय परंपरा ने उसे भीतर की अनुभूति से जोड़ा।

संगीत, विशेषकर शास्त्रीय संगीत, इस आंतरिक अनुभव का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। यह एक स्वायत्त कला है, जिसका अर्थ है कि यह किसी बाहरी वस्तु का प्रत्यक्ष चित्रण नहीं करता। फिर भी, यह भावनाओं को जिस गहराई और व्यापकता से व्यक्त करता है, वह अद्वितीय है। यह विरोधाभास प्रतीत हो सकता है कि बिना किसी ठोस रूप के भी संगीत इतनी प्रभावी अभिव्यक्ति कैसे कर सकता है, लेकिन यही इसकी विशेषता है। यह शब्दों से परे जाकर सीधे हृदय और चेतना को स्पर्श करता है।

भारतीय संगीत की इस अभिव्यक्ति का आधार 'रस' की अवधारणा है। रस वह अनुभूति है, जो कला के माध्यम से श्रोता के भीतर उत्पन्न होती है। यह केवल भावनाओं का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उनका परिष्कृत अनुभव है। संगीत में रस की अभिव्यक्ति मुख्यतः तीन गुणों–माधुर्य, ओज और प्रसाद–के माध्यम से होती है, जो इसे एक

पूर्ण और संतुलित कलारूप बनाते हैं।

'माधुर्य' संगीत का वह गुण है, जो कोमलता, आकर्षण और सौम्यता को व्यक्त करता है। जब कोई राग या धुन हमारे भीतर एक मृदुल भाव जगाती है, जब हृदय में एक हल्की सी तरलता महसूस होती है, तब हम माधुर्य का अनुभव कर रहे होते हैं। यह प्रेम, करुणा और शांति जैसे भावों से जुड़ा होता है। उदाहरण के लिए, किसी शांत राग की प्रस्तुति हमें आत्मिक सुकून देती है और हमारे भीतर एक गहरी स्थिरता उत्पन्न करती है। इसके विपरीत 'ओज' वह शक्ति है, जो संगीत में ऊर्जा, उत्साह और विस्तार का संचार करती है। यह केवल तेज या ऊंची ध्वनि नहीं है, बल्कि एक आंतरिक बल है, जो श्रोता को जागृत करता है। ओजपूर्ण संगीत हमें प्रेरित करता है, हमारे भीतर साहस और आत्मविश्वास को जगाता है। यह गुण वीर रस, गौरव और भव्यता से जुड़ा होता है, जो जीवन के सक्रिय और गतिशील पक्ष को दर्शाता है। तीसरा गुण 'प्रसाद' है, जो संगीत को स्पष्टता, सरलता और सहजता प्रदान करता है। यह वह अवस्था है, जहां संगीत सुनने के बाद मन में एक प्रकार की शांति और संतुलन उत्पन्न होता है। प्रसाद का अर्थ यहां किसी धार्मिक संदर्भ में नहीं, बल्कि मानसिक निर्मलता और विश्रांति से है। जब कोई धुन हमारे मन को हल्का कर देती है और हम तनाव से मुक्त महसूस करते हैं, तब हम प्रसाद के गुण का अनुभव कर रहे होते हैं। इन तीनों गुणों का संतुलित समन्वय ही संगीत को एक संपूर्ण कला बनाता है। यदि केवल माधुर्य हो और ओज का अभाव हो, तो संगीत अत्यधिक कोमल होकर एकरस हो सकता है। यदि केवल ओज हो और माधुर्य न हो, तो वह कठोर और असंतुलित प्रतीत हो सकता है। इसी प्रकार, प्रसाद के बिना संगीत में वह स्पष्टता और सहजता नहीं आ पाती, जो उसे व्यापक रूप से ग्राह्य बनाती है। इसलिए इन तीनों का संतुलन आवश्यक है, जो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विशेषता भी है। आज के समय में, जब जीवन की गति अत्यधिक तेज हो गई है और मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है, संगीत का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। शास्त्रीय संगीत विशेष रूप से ध्यान और आत्मचिंतन का माध्यम बन सकता है, जो हमें अपने भीतर झांकने का अवसर देता है।

हालांकि, आधुनिक समाज में शास्त्रीय संगीत को समझने और अपनाने की प्रवृत्ति कुछ कम होती दिखाई देती है। इसका एक कारण यह भी है कि इसे जटिल और कठिन माना जाता है। लेकिन यदि इसे सही दृष्टिकोण और धैर्य के साथ सुना जाए, तो यह अत्यंत आनंददायक और संतोषप्रद अनुभव प्रदान करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इसे आम जन तक सरल रूप में पहुंचाया जाए और इसके महत्व को समझाया जाए। अंततः यह कहा जा सकता है कि संगीत, विशेषकर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, केवल कला का एक रूप नहीं, बल्कि जीवन का एक दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि कैसे भावनाओं को संतुलित किया जाए, कैसे भीतर की शांति को पाया जाए और कैसे जीवन को एक सुंदर लय में जिया जाए। माधुर्य, ओज और प्रसाद के माध्यम से यह हमें एक ऐसा अनुभव प्रदान करता है, जो शब्दों में व्यक्त करना कठिन है, लेकिन जिसे महसूस किया जा सकता है।

इसलिए संगीत को केवल सुनने की वस्तु न समझकर, उसे एक अनुभव के रूप में स्वीकार करना चाहिए। यही वह दृष्टिकोण है, जो हमें न केवल बेहतर श्रोता बनाता है, बल्कि एक अधिक संवेदनशील और संतुलित मनुष्य भी बनाता है।

हार्दिक पांड्या की फिटनेस पर बड़ा अपडेट

राजस्थान के खिलाफ मैच से पहले फिट हुए हार्दिक पांड्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के फैंस के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या की फिटनेस को लेकर पिछले कुछ समय से जो अटकलें लगाई जा रही थीं, अब उन पर विराम लग गया है। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने स्पष्ट कर दिया है कि हार्दिक पूरी तरह फिट हैं और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में खेलते नजर आएंगे।

मुंबई इंडियंस को 7 अप्रैल को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम, बरसापारा में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अहम मैच खेलना है। इस मुकाबले से पहले 6 अप्रैल को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पारस म्हाम्ब्रे ने हार्दिक की फिटनेस को लेकर स्थिति साफ की। उन्होंने कहा,

"हार्दिक पांड्या अब पूरी तरह उपलब्ध हैं। उन्होंने नेट्स में अच्छा अभ्यास किया है और वह फिट महसूस कर रहे हैं। उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं थी, बल्कि तबीयत खराब होने की वजह से वह पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मुकाबले में हार्दिक टीम का हिस्सा नहीं थे। उनकी गैरमौजूदगी में दीपक चाहर को मौका मिला था, जिन्होंने शानदार शुरुआत करते हुए पहले ही ओवर में केएल राहुल का विकेट चटका दिया था। हालांकि, इसके बावजूद मुंबई इंडियंस 163 रनों के लक्ष्य का बचाव नहीं कर सकी और दिल्ली कैपिटल्स ने 11 गेंद शेष रहते 6 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सीजन के पहले मैच में हार्दिक पांड्या ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने नाबाद 18 रन बनाए थे और गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 39 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। उनकी ऑलराउंड क्षमता टीम के संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। हार्दिक की वापसी से मुंबई इंडियंस को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मजबूती मिलेगी। टीम ने इस सीजन की शुरुआत जीत के साथ की थी, लेकिन दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में हार्दिक की मौजूदगी टीम के प्रदर्शन पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है। अब सभी की नजरें उनकी वापसी पर टिकी हैं।

जामताड़ा: दो सीजन में सिमटी सस्पेंस से भरपूर सीरीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर क्राइम और सस्पेंस से भरपूर कहानियों का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। अगर आप भी ऐसी वेब सीरीज की तलाश में हैं, जो आपको अंत तक बांधे रखे, तो नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज 'जामताड़ाः सबका नंबर आएगा' एक बेहतरीन विकल्प है।

यह सीरीज झारखंड के जामताड़ा जिले की कहानी पर आधारित है, जिसे देश में ऑनलाइन फ्रॉड और फिशिंग स्कैम का गढ़ माना जाता है। कहानी कुछ ऐसे युवाओं के इर्द–गिर्द घूमती है, जो खुद को बैंक अधिकारी बताकर लोगों को फोन करते हैं और उनकी गोपनीय जानकारी हासिल कर मिनटों में खाते खाली कर देते हैं। सीरीज आधुनिक डिजिटल अपराध की भयावह सच्चाई को बेहद प्रभावी ढंग से दिखाती है। सीरीज का निर्देशन सौमेंद्र पाधी ने किया है, जिन्होंने साइबर क्राइम की बारीकियों को बखूबी पर्दे पर उतारा है। अभिनय की बात करें तो स्पर्श श्रीवास्तव, अमित सियाल, दिब्येंदु भट्टाचार्य, मोनिका पंवार और आसिफ खान जैसे कलाकारों ने शानदार काम किया है। खासकर अमित सियाल का शातिर नेता वाला किरदार कहानी में नया मोड़ लाता है। कहानी में तब और रोमांच बढ़ता है, जब इस फिशिंग रैकेट पर एक भ्रष्ट नेता की नजर पड़ती है और सत्ता, लालच व अपराध का खेल तेज हो जाता है। पुलिस का दबाव और आपसी टकराव इसे और दिलचस्प बना देता है।

इस सीरीज के अब तक दो सीजन (2020 और 2022) आ चुके हैं, जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। क्रूक पर इसे 7.3 रेटिंग मिली है। सस्पेंस और थ्रिल पसंद करने वालों के लिए यह सीरीज जरूर देखने लायक है।

हॉरर फिल्म से चमकी किस्मत

विवादों में घिरीं प्रयागा मार्टिन, करियर पर लगा ब्रेक

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्मी दुनिया में कई ऐसे सितारे हैं, जिनका करियर तेजी से उंचाइयों पर पहुंचता है, लेकिन अचानक किसी विवाद या असफलता के चलते उनकी रफ्तार थम जाती है। मलयालम अभिनेत्री प्रयागा मार्टिन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली प्रयागा ने अपने करियर की शुरुआत दमदार तरीके से की, लेकिन बाद में उनका ग्राफ धीरे–धीरे नीचे आ गया।

प्रयागा मार्टिन ने मलयालम फिल्म 'सागर एलियास जैकी रीलोडेड' से डेब्यू किया था, जिसमें सुपरस्टार मोहनलाल मुख्य भूमिका में थे। भले ही उनका रोल छोटा था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। बचपन से ही अभिनय और डांस में रुचि रखने वाली प्रयागा ने भरतनाट्यम,

मोहिनीअट्टम और कुचिपुड़ी जैसे शास्त्रीय नृत्यों में प्रशिक्षण लिया था।

उनके करियर का बड़ा मोड़ तब आया, जब निर्देशक मैसकिन ने उन्हें एक विज्ञापन में देखा और अपनी तमिल हॉरर फिल्म 'पिसासु' में कास्ट किया। साल 2014 में रिलीज हुई इस फिल्म में प्रयागा ने भवानि नाम की आत्मा का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस फिल्म के बाद वह रातोंरात सुर्खियों में आ गईं और उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे।

इसके बाद प्रयागा 'फुकरी', 'कट्टप्पनायिले ऋत्विक रोशन', 'ओरु पझाया बॉम्ब कथा', 'रामलीला' और कन्नड़ फिल्म 'गीता' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली और धीरे–धीरे उनका करियर ठहराव की ओर बढ़ने लगा।

साल 2024 में प्रयागा उस समय फिर चर्चा में आईं, जब उनका नाम एक कथित ड्रग्स केस में सामने आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक गैंगस्टर से जुड़े होटल रूम में हुई पार्टी की जांच के दौरान उनका नाम उछला था। हालांकि, अभिनेत्री ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया और बाद में पुलिस जांच में उन्हें क्लीन चिट मिल गई। विवादों और लगातार असफल फिल्मों के चलते प्रयागा मार्टिन का करियर प्रभावित हुआ। अब देखना होगा कि वह आने वाले समय में इंडस्ट्री में दोबारा अपनी पहचान बना पाती हैं या नहीं।

नयनतारा–धनुष विवाद पर विग्नेश शिवन का छलका दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ इंडस्ट्री में 2024 का चर्चित विवाद नयनतारा और धनुष के बीच कानूनी लड़ाई को लेकर था। अब इस मामले पर फिल्ममेकर विग्नेश शिवन ने पहली बार खुलकर बात की है। उन्होंने माना कि इस विवाद में उनका सबसे बड़ा नुकसान धनुष के साथ रिश्ते का टूटना रहा। विग्नेश शिवन इन दिनों अपनी फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान एक इंटरव्यू में उन्होंने धनुष के साथ अपने रिश्ते को याद करते हुए कहा, "मैं धनुष सर को बहुत पसंद करता हूं। उनका जन्मदिन उसी दिन आता है, जिस दिन मेरे पिता का निधन हुआ था। इसलिए मैं उन्हें पिता समान मानता था। उन्होंने आगे कहा कि इस विवाद के बाद उनके रिश्ते में आई दूरी उन्हें आज भी दुख देती है। "मेरा सबसे बड़ा अफसोस यही है कि हमारा रिश्ता टूट गया। कहीं न कहीं कुछ गलत हुआ, जिसे हम संभाल नहीं पाए," विग्नेश ने कहा। यह विवाद नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल' को लेकर शुरू हुआ था। आरोप था कि इसमें धनुष की प्रोडक्शन कंपनी की फिल्म 'नानम राउडी धान' का एक छोटा क्लिप बिना अनुमति के इस्तेमाल किया गया। इसके बाद धनुष ने कॉपीराइट केस दर्ज किया, जिससे मामला और बढ़ गया। गौरतलब है कि विग्नेश और नयनतारा की मुलाकात इसी फिल्म के दौरान हुई थी। बाद में दोनों ने 2022 में शादी की और अब अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिता रहे हैं।

फ्लेमिंग को है पूरा भरोसा

लगातार फ्लॉप हो रहे सैमसन करेंगे वापिसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम ने सीजन के अपने शुरुआती तीनों मुकाबले गंवाए हैं, जिसके पीछे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों की कमजोरी सामने आई है। खासतौर पर संजू सैमसन का खराब फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हालांकि, सीएसके के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग इसे लेकर ज्यादा चिंतित नजर नहीं आ रहे हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लेमिंग ने सैमसन के फॉर्म पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि संजू सैमसन लंबे समय तक राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने के बाद अब नई टीम के माहौल

में खुद को ढालने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। ऐसे में शुरुआती दौर में थोड़ा समय लगना स्वाभाविक है।

फ्लेमिंग ने कहा, "जब कोई खिलाड़ी लंबे समय तक एक फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहता है, तो नई टीम में खुद को पूरी तरह सहज करने में वक्त लगता है। संजू अभी उसी प्रक्रिया में हैं, लेकिन वह जल्दी ही लय हासिल कर लेंगे।" उन्होंने यह भी बताया कि सैमसन टीम के माहौल में अच्छी तरह घुल–मिल रहे हैं और रन बनाने के लिए काफी उत्सुक हैं।

कोच ने आगे कहा कि इस सीजन टीम में कई बदलाव हुए हैं, जिससे खिलाड़ियों के बीच तालमेल बनाने में समय लग रहा है। उन्होंने माना कि टीम को मैदान के बाहर भी आपसी समझ और संबंध मजबूत करने की जरूरत है। हालांकि, सैमसन का रवैया सकारात्मक है और वह सीनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर योगदान देना चाहते हैं।

अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो संजू सैमसन ने इस सीजन अब तक तीन मैचों में क्रमशः 6, 7 और 9 रन बनाए हैं। कुल मिलाकर उनके बल्ले से 22 रन ही निकले हैं, जो उनकी काबिलियत के हिसाब से बेहद कम हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स को अगर जीत की राह पर लौटना है, तो सैमसन का फॉर्म में आना बेहद जरूरी होगा। टीम का अगला मुकाबला 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से है, जहां उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

किडनी कांड का सनसनीखेज खुलासा

नोटों पर लेटा डॉक्टर, दलाल के मोबाइल से मिले चौंकाने वाले वीडियो

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में सामने आए अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट ने जांच एजेंसियों को भी हैरान कर दिया है। इस मामले में दलाल शिवम अग्रवाल के मोबाइल से तीन अहम वीडियो बरामद हुए हैं, जिन्होंने इस पूरे काले कारोबार की परतें खोल दी हैं।

पहले वीडियो में किडनी निकालने वाला डॉक्टर अफजल नोटों की गड्डियों पर लेटा नजर आ रहा है। बेड पर करीब 15 लाख रुपये बिछे हुए हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस अवैध धंधे से करोड़ों की कमाई की गई।

दूसरे वीडियो में दक्षिण अफ्रीका की मरीज अरेबिका रोती हुई दिखाई देती है। हैरानी की बात यह है कि एंबुलेंस ड्राइवर और दलाल शिवम खुद डॉक्टर बनकर उसका चेकअप करता नजर आता है और उसे इंजेक्शन देने की बात करता है। यह वीडियो अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

तीसरे वीडियो में पंजाब का एक मरीज सामने आकर अपनी आपबीती सुनाता है। वह बताता है कि किडनी ट्रांसप्लांट के नाम पर उससे 43 लाख रुपये लिए गए, लेकिन उसे कोई इलाज नहीं मिला।

जांच में यह भी सामने आया है कि यह रैकेट सिर्फ भारत तक सीमित नहीं था, बल्कि नेपाल और विदेशों तक फैला हुआ था। गरीब लोगों से कम कीमत में किडनी खरीदकर जरूरतमंद मरीजों को ऊंची कीमत पर बेचा जाता था।

पुलिस अब तक इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि मुख्य आरोपी डॉक्टर अफजल समेत कई डॉक्टर फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए कई राज्यों में छापेमारी जारी है। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी हैं।

आतंकी साजिश का पर्दाफाश

मोबाइल ऑडियो क्लिप्स में नरसंहार और ब्लास्ट की साजिश उजागर

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में बड़ी आतंकी वारदात की साजिश का खुलासा होने के बाद जांच एजेंसियां लगातार नए–नए तथ्य सामने ला रही हैं। उत्तर प्रदेश एटीएस को संदिग्ध आतंकियों के मोबाइल फोन से कई अहम ऑडियो क्लिप्स मिली हैं, जिनमें पाकिस्तानी हैंडलर्स द्वारा विस्फोट के बाद नरसंहार के वीडियो बनाकर भेजने के निर्देश दिए गए थे। इन क्लिप्स ने साजिश की गंभीरता और क्रूरता को उजागर कर दिया है।

जांच के दौरान पता चला है कि पाकिस्तान से जुड़े हैंडलर्स सोशल मीडिया और कॉल के माध्यम से लगातार संपर्क में थे। वे आतंकियों को रेकी, निशाना चुनने और हमले के तरीके तक के स्पष्ट निर्देश दे रहे थे। बरामद ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को पुख्ता सबूत माना जा रहा है और इन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भी भेजा गया है। इस मामले में मेरठ के आरोपी अरबाब का पासपोर्ट निरस्त कर दिया गया है, जबकि बिजनौर पुलिस पाकिस्तानी हैंडलर अबूबकर की तलाश में जुटी है। जांच एजेंसियों को यह भी जानकारी मिली है कि साजिश के तहत पहली बड़ी वारदात लखनऊ में करने की योजना थी। इसके बाद अलीगढ़, गाजियाबाद समेत कई अन्य शहर भी निशाने पर थे।

आरोपी साकिब ने पाकिस्तानी हैंडलर्स से बड़ी रकम प्राप्त की थी, जिसे उसने अपने साथियों और अन्य खातों में ट्रांसफर किया। एटीएस अब इन सभी बैंक खातों की जांच कर रही है ताकि आतंकी फंडिंग के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। जांच में यह भी सामने आया है कि साकिब और उसके साथी कई बार लखनऊ आ चुके थे और उन्होंने रेलवे स्टेशन को हमले के लिए चुना था, जहां शाम के समय भारी भीड़ होती है। फिलहाल एटीएस सभी डिजिटल और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर पूरे मॉड्यूल को ध्वस्त करने की दिशा में कार्रवाई कर रही है।

कचहरी में गोली चलने से मचा हड़कम्प

यूनिक समय, लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में सोमवार सुबह कचहरी परिसर में हुई फायरिंग से हड़कंप मच गया। आपसी विवाद के दौरान एक वकील ने अपने ही चचेरे भाई को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों के बीच पहले किसी बात को लेकर कहासुनी और हाथापाई हुई थी, जिसे वहां मौजूद अन्य वकीलों ने शांत करा दिया था। लेकिन कुछ देर बाद विवाद फिर बढ़ गया और इस दौरान वकील विराट राज ने अपने चचेरे भाई जितेंद्र राज पर गोली चला दी।

वकील ने चचेरे भाई को मारी गोली, हालत गंभीर

गोली लगते ही जितेंद्र मौके पर ही गिर पड़े।

घायल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। शुरुआती जांच में जमीन विवाद को घटना का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सुहागरात पर खुला राज

दूल्हे ने लगाया धोखाधड़ी का आरोप, मामला पहुंचा थाने

यूनिक समय, मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के बाद दूल्हे को ऐसा सच पता चला जिसने उसकी जिंदगी बदल दी। किशनी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की शादी 25 मार्च को धूमधाम से संपन्न हुई थी। परिवार में खुशियों का माहौल था और दुल्हन का स्वागत पूरे रीति–रिवाजों के साथ किया गया।

लेकिन शादी के दो दिन बाद दूल्हे को पता चला कि उसकी पत्नी मंगलामुखी है। इस खुलासे के बाद परिवार में हड़कंप मच गया और खुशी का माहौल तनाव में बदल गया। युवक ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष ने यह जानकारी जानबूझकर छुपाई और उसके साथ धोखाधड़ी की गई।

पीड़ित युवक ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और कार्रवाई की मांग की। उसने यह भी बताया कि सच सामने आने के बाद पत्नी अपने मायके लौट गई और साथ में जेवर व नकदी भी ले गई।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा रही है। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग इसे एक बड़े धोखे के रूप में देख रहे हैं।

एलपीजी पर बड़ा फैसला

1 जुलाई से पीएनजी उपभोक्ताओं को नहीं मिलेगा सिलेंडर

यूनिक समय, आगरा । आगरा में गैस आपूर्ति व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए पूर्ति विभाग ने नया नियम लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत जिन उपभोक्ताओं के घर पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन है, उन्हें अपना लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) कनेक्शन सिलेंडर करना होगा। ऐसे उपभोक्ताओं को 1 जुलाई 2026 से गैस सिलिंडर की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी।

70 हजार कनेक्शन होंगे सरेंडर

पूर्ति विभाग ने ग्रीन गैस लिमिटेड से उन उपभोक्ताओं की सूची मांगी है, जिनके पास दोनों कनेक्शन मौजूद हैं। जिले में ऐसे करीब 70 हजार उपभोक्ता चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें आगामी तीन महीनों में एलपीजी कनेक्शन छोड़ना होगा।

जिला पूर्ति अधिकारी के अनुसार, यह कदम केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत उठाया जा रहा है। इसका उद्देश्य गैस वितरण प्रणाली को व्यवस्थित करना और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है।नए नियम के मुताबिक, जिन इलाकों में घर से 300 मीटर के दायरे में पीएनजी पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। उपभोक्ताओं को लगभग छह हजार रुपये जमानत राशि जमा कर कनेक्शन लेना होगा। विभाग ने अगले तीन महीनों में 25 हजार नए पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य तय किया है।

वहीं दूसरी ओर, गैस की कमी को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी भी देखी जा रही है। व्यावसायिक उपयोग के लिए घरेलू सिलेंडर की कालाबाजारी की शिकायतें सामने आई हैं, जहां 925 रुपये का सिलिंडर 1800 से 2000 रुपये तक में बेचा जा रहा है।

प्रशासन का दावा है कि आपूर्ति सामान्य है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग नजर आ रही है। नए नियम लागू होने के बाद उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ सकती है।

भाजपा के स्थापना दिवस पर सीएम योगी का बड़ा ऐलान

अंबेडकर प्रतिमाओं पर लगेगा छत्र, कार्यक्रम में हुए भावुक

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर में भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेशभर में जहां भी डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाएं हैं, उन पर छत्र लगाया जाएगा। इसके साथ ही संत रविदास और महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमाओं का सौंदर्यीकरण भी कराया जाएगा।

रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर बूथ स्तर पर प्रतिमाओं की साफ–सफाई कर पुष्पांजलि अर्पित करें। उन्होंने कहा कि प्रतिमाओं के आसपास के पार्कों की बाउंड्री और सौंदर्यीकरण का कार्य भी कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में भाजपा का झंडा फहराया और विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने डॉ. तेज प्रताप शाही की स्मृति में बने कंप्यूटर लैब एवं रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी किया। इस दौरान डॉ. शाही को याद करते हुए वह भावुक हो गए और अपनी अंतिम मुलाकात का जिक्र करते हुए उनकी सामाजिक सेवाओं को सराहा। अपने संबोधन में योगी ने कहा कि भाजपा ने हमेशा बिना भेदभाव के कार्य किया है और जो वादे किए, उन्हें पूरा किया है। उन्होंने साफ–सफाई के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समाज के साथ–साथ "राजनीतिक गंदगी" की सफाई भी जरूरी है। राजनीतिक दृष्टि से यह ऐलान अहम माना जा रहा है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में दलित वोट बैंक को लेकर सभी प्रमुख दल सक्रिय हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह कदम सामाजिक और राजनीतिक दोनों रूपों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

अमित जोगी को आजीवन कारावास की सजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के चर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड में सोमवार को बड़ा न्यायिक फैसला सामने आया। अमित जोगी को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह निर्णय साल 2007 में ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए बरी करने के फैसले को पलटते हुए सुनाया गया। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील स्वीकार करते हुए यह सख्त फैसला सुनाया।

अदालत ने अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 120–बी (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत दोषी ठहराया। इसके साथ ही एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में अतिरिक्त छह महीने के सश्रम कारावास का प्रावधान रखा गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि एक ही साक्ष्य के आधार पर कुछ आरोपियों को दोषी और मुख्य आरोपी को बरी करना कानून की दृष्टि से गलत है।

यह मामला वर्ष 2003 में हुए भाजपा नेता राम अवतार जग्गी की हत्या से जुड़ा है, जिसने उस समय प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी थी। ट्रायल कोर्ट ने 2007 में अमित जोगी को बरी कर दिया था, जबकि अन्य आरोपियों को सजा सुनाई गई थी। इसी फैसले को सीबीआई ने चुनौती दी थी।

बाद में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मामले को दोबारा खोला गया, जिसके बाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने तकनीकी आधार पर खारिज की गई अपील को पुनः बहाल किया था, जिससे इस मामले में नया मोड़ आया।

हाईकोर्ट के इस फैसले को न्यायिक प्रणाली में निष्पक्षता और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह निर्णय लंबे समय से लंबित इस मामले में न्याय की उम्मीद को मजबूत करता है। अब अमित जोगी को तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करना होगा और सजा का पालन करना होगा।

जेएएल अधिग्रहण मामला

सुप्रीम कोर्ट से वेदांता को झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के कॉरपोरेट जगत से जुड़े चर्चित जेएएल अधिग्रहण मामले में सोमवार को बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया। सुप्रीम कोर्ट ने वेदांता लिमिटेड को राहत देने से इनकार करते हुए अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ की बोली पर रोक लगाने से मना कर दिया। इस फैसले के साथ ही जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण की प्रक्रिया फिलहाल जारी रहेगी।

हालांकि, अदालत ने संतुलन बनाते हुए एक महत्वपूर्ण निर्देश भी दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने जेएएल की निगरानी कर रही समिति को बिना राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण की अनुमति के कोई बड़ा नीतिगत निर्णय लेने से रोक दिया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि अंतिम निर्णय अब अधिकरण की सुनवाई पर निर्भर करेगा।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सभी पक्ष–खासतौर पर वेदांता और अदाणी समूह–अपनी दलीलें अधिकरण के समक्ष रखें। साथ ही अधिकरण को निर्देश दिया गया है कि वह मामले की सुनवाई तेजी से पूरी करे। जानकारी के अनुसार, इस विवाद पर अंतिम सुनवाई 10 अप्रैल से शुरू होगी।

दरअसल, वेदांता ने अधिकरण के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसमें अदाणी समूह की बोली पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। इससे पहले 24 मार्च को अधिकरण ने रोक देने से मना किया था, जिसके बाद 25 मार्च को वेदांता ने शीर्ष अदालत में अपील दायर की।

यह मामला जेएएल की दिवालिया प्रक्रिया से जुड़ा है, जिसमें कई कंपनियां अधिग्रहण की दौड़ में शामिल थीं। अंततः कर्जदाताओं की समिति ने अदाणी एंटरप्राइजेज की योजना को मंजूरी दी, जिसे बाद में राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण ने भी हरी झंडी दे दी। वेदांता ने इस पर आपत्ति जताते हुए समाधान योजना की वैधता और मंजूरी प्रक्रिया को चुनौती दी है।

फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अदाणी समूह को राहत मिली है, लेकिन अंतिम निर्णय अभी बाकी है और सबकी नजर अब अधिकरण की आगामी सुनवाई पर टिकी है।

असम चुनावी रैली में मोदी का विपक्ष पर वार

हार का शतक लगाएगा शाही परिवार: पीएम

यूनिक समय, नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने असम के बरपेटा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस बार राज्य की जनता दो बड़े फैसले लेने जा रही है–पहला, भाजपा–एनडीए सरकार की हैट्रिक और दूसरा, "दिल्ली का शाही परिवार" अपनी हार का शतक लगाएगा।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह दीर्घकालिक विकास के बजाय अल्पकालिक राजनीति करती है, जबकि भाजपा देश के स्थायी विकास और स्थिरता के लिए काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दस वर्षों में असम में शांति और विकास को नई दिशा मिली है और आने वाले समय में इसे और आगे बढ़ाया जाएगा। महिला आरक्षण विधेयक पर बोलते हुए मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बेहद जरूरी है और इससे किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। सरकार अतिरिक्त सीटों की व्यवस्था पर काम कर रही है। रैली के दौरान प्रधानमंत्री ने भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई भी दी और कहा कि पार्टी "राष्ट्र प्रथम" के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने बरपेटा में उमड़ी भारी भीड़ को जनता के समर्थन का संकेत बताते हुए ऐतिहासिक जीत का भरोसा जताया।

पंजाब में बम धमकी से हड़कंप सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। चंडीगढ़ और जालंधर में सोमवार सुबह कई स्कूलों, सरकारी इमारतों और अदालत परिसरों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। ईमेल के जरिए भेजी गई इन धमकियों में खालिस्तान से जुड़े संदेश भी लिखे गए थे, जिससे सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सतर्क हो गईं।

धमकी में कुछ प्रमुख नेताओं, जिनमें अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान शामिल हैं, को निशाना बनाने की बात भी कही गई। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने सभी संदिग्ध स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। प्रशासन ने एहतियातन कई स्कूलों और कार्यालयों को खाली करवा दिया। अभिभावकों में भी डर का माहौल देखने को मिला और कई लोग अपने बच्चों को लेने स्कूल पहुंचे। हालांकि प्रारंभिक जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और धमकियां फिलहाल झूठी प्रतीत हो रही हैं। साइबर सेल ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी है और पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

यूपीपीएससी आरओ–एआरओ रिजल्ट मेंस परिणाम जारी, 419 अभ्यर्थी सफल

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी मुख्य परीक्षा 2023 का परिणाम घोषित कर दिया है। कुल 419 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है, जो निर्धारित पदों के बराबर हैं। यह परीक्षा 2 और 3 फरवरी 2026 को आयोजित हुई थी, जिसमें 5930 उम्मीदवार शामिल हुए थे। अब चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन पूरा होने के बाद ही अंतिम रूप से नियुक्ति दी जाएगी।

ईरान में अमेरिका ने खुद उड़ाए अपने ही विमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान में फंसे पायलटों को बचाने के लिए अमेरिकी सेना ने एक जोखिम भरा अभियान चलाया, जिसमें सफलता तो मिली लेकिन भारी नुकसान भी उठाना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, ईरान के भीतर एक अस्थायी हवाई पट्टी पर उतारे गए कुछ सैन्य विमान तकनीकी खराबी या रेगिस्तानी जमीन में फंसने के कारण बेकार हो गए।

स्थिति तब गंभीर हो गई जब ईरानी सेना उस इलाके के करीब पहुंचने लगी। ऐसे में अमेरिकी सैनिकों ने अपने ही कम से कम एक या दो विमानों को बम से नष्ट कर दिया। यह कदम इसलिए उठाया गया ताकि इन विमानों में मौजूद अत्याधुनिक तकनीक और गोपनीय उपकरण दुश्मन के हाथ न लग सकें।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इन विमानों में उन्नत संचार और विशेष सैन्य उपकरण लगे थे, जिनकी सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस अभियान में पायलटों को सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन अमेरिका को करोड़ों डॉलर के सैन्य संसाधनों का नुकसान उठाना पड़ा।

भाजपा के स्थापना दिवस पर मोदी बोले

बढ़ा जनता का भरोसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि पार्टी के प्रति देशवासियों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने इसे कार्यकर्ताओं के समर्पण और सेवा भाव का परिणाम बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के लिए "मां" के समान है। उन्होंने लाखों कार्यकर्ताओं के तप, त्याग और मेहनत को पार्टी की सफलता का आधार बताया। साथ ही मौजूदा चुनावों में कार्यकर्ताओं की ऊर्जा की सराहना करते हुए नितिन नवीन के नेतृत्व की भी प्रशंसा की।

मोदी ने भाजपा की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए तीन तलाक कानून, नए संसद भवन का निर्माण, गरीबों के लिए आरक्षण और अयोध्या में राम मंदिर जैसे फैसलों को प्रमुख बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी "राष्ट्र प्रथम" के सिद्धांत पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि आगे भी भाजपा हर चुनौती का सामना ईमानदारी से करती रहेगी और देश के विकास को नई दिशा देगी।

राहुल गांधी ने किए बड़े वादे पुडुचेरी में सियासी हलचल तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। राहुल गांधी ने पुडुचेरी के लॉस्पेट में जनसभा को संबोधित करते हुए कई बड़े चुनावी वादे किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।

राहुल गांधी ने 30,000 नई नौकरियां देने, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और सरकारी नौकरियों की आयु सीमा 40 वर्ष तक बढ़ाने का भी वादा किया। इसके अलावा हर परिवार को 20 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देने की बात कही।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पुडुचेरी की सरकार दिल्ली से नियंत्रित हो रही है और स्थानीय जनता की आवाज दबाई जा रही है। साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार, बंद होते उद्योगों और बिगड़ती व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा। पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होना है, ऐसे में राहुल गांधी की यह रैली चुनावी माहौल को और गर्माने वाली मानी जा रही है।

अनोखी पहल: 10 रुपये का अंडा 25 हजार में नीलाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। लेह में एक अनोखी पहल के तहत राहत के लिए आयोजित नीलामी में 10 रुपये का अंडा 25 हजार रुपये में खरीदा गया। यह नीलामी ईरान के पीड़ितों की मदद के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। स्थानीय निवासी शबीर हुसैन ने इस अंडे को ऊंची कीमत पर खरीदा। उन्होंने बताया कि यह सिर्फ एक अंडा नहीं, बल्कि एक संदेश है कि ईरान में हो रहे अत्याचार के खिलाफ लोग एकजुट हैं। उनका कहना था कि वे पीड़ितों की मदद के लिए हर संभव

योगदान देने को तैयार हैं। इस पहल के तहत लोग सिर्फ अंडे ही नहीं, बल्कि खाने–पीने की वस्तुएं, नकद राशि और आभूषण भी दान कर रहे हैं। स्थानीय लोगों की इस अनोखी मुहिम का उद्देश्य जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना और वैश्विक स्तर पर मानवीय एकजुटता का संदेश देना है।

ओलावृष्टि से जिले में फसल तबाह अन्नदाता की मेहनत पर फिरा पानी

बल्देव के गांवों में ब्लॉक प्रमुख प्रतीक भरंगर किसानों से बात करते हुए।

गोवर्धन विधायक ठा. मेघश्याम सिंह, उपजिलाधिकारी व तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी किसानों से बात करते हुए।

जिले की सभी विधान सभाओं गोवर्धन व बल्देव क्षेत्र में भारी नुकसान

विधायक ने किया दौरा, जल्द मुआवजे का दिया आश्वासन

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बेमौसम हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि ने अन्नदाता की कमर तोड़ दी है। अचानक आए इस प्राकृतिक प्रकोप ने खेतों में खड़ी फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। किसानों की पूरे साल की मेहनत और कमाई एक झटके में खत्म हो गई है। जिले की सभी विधान सभाओं में देखने को मिला है। यहां ओलों की तेज मार से गेहूं, सरसों और अन्य फसलें जमीन पर बिछ गईं। जिन खेतों में कुछ दिन पहले तक हरियाली लहलहा रही थी, वहां अब बर्बादी का मंजर दिखाई दे रहा है। किसान अपनी फसलें बर्बाद देखकर मायूस और चिंतित नजर आ रहे हैं। गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र के विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह ने प्रभावित गांवों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। विधायक ने कहा कि इस बार की फसल किसानों की आजीविका का मुख्य सहारा थी, लेकिन प्राकृतिक आपदा ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द नुकसान का सर्वे कराया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। इस दौरान गोवर्धन की उपजिलाधिकारी प्रजक्ता त्रिपाठी, तहसीलदार अभिषेक गुप्ता, थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। वहीं बल्देव क्षेत्र के गांवों में ब्लॉक प्रमुख प्रतीक भरंगर किसनों की फसलों को देखते हुए कहा कि हालात बेहद खराब हैं। यहां किसानों की फसल पूरी तरह चौपट हो गई हैं। किसानों का कहना है कि अब उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और परिवार का पालन–पोषण करना भी मुश्किल हो सकता है।

स्थानीय किसानों ने सरकार से जल्द मुआवजा और राहत की मांग की है। उनका कहना है कि किसान देश का अन्नदाता है।

रालोद ने उठाई मांग, किसानों की भरपाई करे यूपी सरकार

रालोद युवा जिलाध्यक्ष अमित गुर्जर का स्वागत करते कार्यकर्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। युवा राष्ट्रीय लोकदल की बैठक युवा जिलाध्यक्ष अमित गुर्जर की अध्यक्षता में लक्ष्मी नगर में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य मथुरा में हुई भारी वर्षा से किसानों के नुकसान की भरपाई सरकार द्वारा की जाए। युवा जिलाध्यक्ष अमित गुर्जर ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये नए युवा साथियों को पार्टी से जोड़ा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी युवा जिला उपाध्यक्ष के रूप में शिशांत चौधरी को दी गई। इस मौके पर ठा. प्रताप सिंह, विनोद गुर्जर, नितिन गुर्जर, मानवेन्द्र सिंह, राजकुमार शर्मा, हुकम सिंह, चौ. विजेंद्र सिंह, रमेश चंद, अमर सिंह, जितेंद्र पंडित तथा आरबी सिंह आदि उपस्थित थे।

मनचलों से डरें नहीं, हेल्पलाइन नंबरों का प्रयोग करें: दीप्ति सिंह

जागरुकता अभियान में महिलाओं को जागरूक करती पुलिस टीम।

संवाददाता

यूनिक समय, नौहझील। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति फेज–5.0' (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जनपद में महिला सशक्तिकरण और जागरूकता का अभियान तेजी से चल रहा है। थाना नौहझील की पुलिस टीम ने क्षेत्र में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीम ने बाजना स्थित केशव ईंट उद्योग पर विशेष शिविर लगाया। टीम ने वहाँ मौजूद बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति प्रभारी सब–इंस्पेक्टर दीप्ति सिंह और कांस्टेबल निखलेश ने महिलाओं को आत्मरक्षा के तरीके समझाए और 'गुड टच–बैड टच' के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस टीम ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थलों, बसों या रास्तों पर मनचलों द्वारा छेड़खानी किए जाने पर डरने की आवश्यकता नहीं है। ऐसी स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 पर सूचना दें या संबंधित थाने पर जाकर एफआईआर दर्ज कराएं।

जिले में चला बाल श्रम उन्मूलन अभियान सात बाल श्रमिक किए मुक्त

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बाल श्रम के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को व्यापक अभियान चलाया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता के निर्देशन सहायक श्रमायुक्त एमएल पाल के मार्गदर्शन में श्रम विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर सात बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। अभियान के तहत थाना कोतवाली क्षेत्र के सौंख अड्डा, भैंस बहोरा, भरतपुर गेट और दरेसी रोड स्थित प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पांच अलग–अलग प्रतिष्ठानों में छह बाल श्रमिक खतरनाक कार्य करते हुए पाए गए, जबकि एक किशोर गैर–खतरनाक कार्य में संलिप्त मिला। टीम ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए संबंधित सेवायोजकों के खिलाफ नोटिस जारी कर दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाल श्रम किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि बाल श्रमिकों से कार्य कराना गंभीर अपराध है। इसके तहत दोषी पाए जाने पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना या तीन साल तक की सजा अथवा दोनों का प्रावधान है। वहीं किशोरों से नियमों के विरुद्ध कार्य कराने पर 10 हजार रुपये तक का जुर्माना या तीन माह तक की जेल अथवा दोनों सजा हो सकती है। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों और सेवायोजकों ने टीम का विरोध भी किया, प्रावधानों से अवगत कराते हुए सख्त चेतावनी दी। साथ ही भविष्य में बाल श्रमिक न रखने की हिदायत दी गई। अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी एसपी पाण्डेय, चाइल्ड हेल्पलाइन से परियोजना समन्वयक कृष्ण कुमार सैनी, नवीन, उप निरीक्षक संदीप राणा, योगेश कुमार, जितेन्द्र कुमार तथा महिला मुख्य आरक्षी श्रीमती सुशीला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूनाइटेड टीचर्स एडवोकेट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। पुष्पांजलि उपवन के निवासियों ने राजेंद्र चौधरी को यूनाइटेड टीचर्स एडवोकेट एसोसिएशन यूटा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने पर स्वागत किया संचालन शिव कुमार गौतम ने किया। इस मौके पर बीके शुक्ला, विजय उपाध्याय, शिव कुमार गौतम, प्रणत शर्मा एडवोकेट, घनेन्द्र गौतम, विकास शर्मा तथा राजकुमार चौधरी आदि उपस्थित थे।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

यूनिक समय, मथुरा। विकास खंड राया के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय नगौड़ा से स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता एवं संचारी रोग रैली निकाली गई।रैली के माध्यम से इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अर्चना वर्मा ने ग्रामीणों को अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में कराने के लिए प्रेरित किया।

नगला जरैला के छात्रों ने निकाली नामांकन रैली

यूनिक समय, नंदगांव (मथुरा)। जन–जन की यही पुकार स्कूल चलो अबकी बार, सब पढ़ें सब बढ़ें। स्कूल चलो अभियान नवीन नामांकन के अंतर्गत अनेक नारों के मध्य विकासखंड नंदगांव के अंतर्गत नगला जरैला में ग्राम पंचायत स्तरीय रैली का शुभारंभ प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मोहम्मद रियाज, प्रधानाध्यापक त्रिलोक चंद दुबे ने किया। रैली का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों से अपने छात्रों का शत प्रतिशत नामांकन सरकारी विद्यालयों में करने को लेकर था। इस मौके पर पवन कुमार, सुमन वर्मा, आशीष लवानिया, देवेंद्र कुमार, मधु शर्मा, राधा शर्मा, सुधा यादव और बाल वाटिका आंगनबाड़ी के अंतर्गत बबीता, आबिदा, हसीना आदि उपस्थित थे।

राया में मनोनीत सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह आठ अप्रैल को

यूनिक समय, राया, (मथुरा)। शासन की ओर से नगर पंचायत में मनोनीत सभासदों का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह आठ अप्रैल को प्रातः 10 बजे नगर पंचायत कार्यालय परिसर में एसडीएम मांट एवं क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश, नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल की उपस्थिति में होगा।

भाजपा ने मनाया स्थापना दिवस, मुख्यालय पर फहराया पार्टी ध्वज

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को स्थापना दिवस पार्टी जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में पुष्पांजलि स्थित जिला कार्यालय पर पार्टी का ध्वज फहराया कर एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए पदाधिकारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिलाध्यक्ष ने पार्टी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना छह अप्रैल 1980 को हुई थी। गोकुल के विधायक पूरन प्रकाश एवं गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महान नेताओं ने पार्टी के गठन और विचारधारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भाजपा का स्थापना दिवस मनाते हुए जिलाध्यक्ष निर्भय पाण्डेय, विधायक पूरन प्रकाश, विधायक मेघश्याम सिंह, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, राजू यादव एवं अन्य पदाधिकारी

राज्यसभा सांसद चौधरी तेजवीर सिंह ने जानकारी दी कि सात अप्रैल से 12 अप्रैल तक गांव/बस्ती चलो अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में पार्षद, पंचायत सदस्य सहित सभी जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेंगे। मेयर विनोद अग्रवाल ने बताया कि अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, समाज के विभिन्न वर्गों के बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य व्यक्तियों से संपर्क, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी जन–जन तक पहुंचा जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम आगामी सप्ताह में जिले की तीनों विधानसभाओं के सभी मंडलों और बूथों पर आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता चेतन स्वरूप पाराशर,गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, राजू यादव, सत्यपाल चौधरी, आकाश चौधरी, अमन ठाकुर, अजय परखम, अनिल चौधरी, मनीषा पाराशर, मुदिता शर्मा, केरण सिंह रावत सहित मंडल अध्यक्ष और अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन ज्ञानेंद्र राणा ने किया।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारुप)

(व्यवहार प्रक्रिया संहिता की पहली अनुसूची संख्या 4)

नाम अदालत पारिवारिक न्यायालय क्रम–3 स्थान कोटा

विजेन्द्र सिंह विरुद्ध कोमल सिसोदिया

वाद/प्रार्थना पत्र 693/25 धारा 13 A

प्रार्थना संख्या 693/25

नाम कोमल सिसोदिया पुत्री संतोष सिंह जाति राजपूत पता डाक घर के पास, सिविल लाइन्स, मथुरा उत्तर प्रदेश । उक्त प्रार्थी ने इस अदालत में यह आवेदन किया है कि उक्त वाद पेश किया हैं नकुलसलन नही अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आपके आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए ता0.9 मास. 04. सन् 2026 को 2026 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्पर्क रुप से अनुदेश दिया गया हो उपसंज्ञात हो यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रुप में किया जायेगा।

यह आज ता0 13 मास 3 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

न्यायालय मुद्रा

आज्ञा से- मुंसरिम

पारिवारिक न्यायालय, कोटा क्रम–03 (राज्य0)